54 Years
In the Service of Mankind

Bharat Vikas Parishad

April, 2018 No. 04 Vol XXXXXIVVXII

सृष्टि संवत् :1,96,08,53,121 शकसंवत् 1940
वैशाख-वैशाख 2075 दयानन्दाब्द 195 कलि संवत् 5120

नीति Niti

Mouth piece of Bharat Vikas Parishad with a circulation of 59650

National President
DR. SURESH CHANDRA GUPTA
MOB. : 09415334709 (FARRUKHABAD)

National Vice President (HQ)
SHYAM LAL SHARMA
MOB. : 09826038190 (KOTA)

National Secretary General
AJAY DUTTA
MOB. : 09417016915 (CHANDIGARH)

National Finance Secretary
OM PRAKASH KANOONGO
MOB : 09322295253 (MUMBAI)

National Organising Secretary
SURESH JAIN
MOB : 09974399944 (DELHI)

Chairman Prakashan
ATAM DEV
MOB : 09818532131 (DELHI)

Editor
MANOJ AWASHTI
MOB : 09953495747 (GHAZIABAD)

नीति समाचार के लिए केवल-
niti@bvpindia.com का प्रयोग करें।

Niti e-paper : This issue is also available on Parishad's website www.bvpindia.com

Published & Printed by Ajay Dutta for BHARAT VIKAS PARISHAD, Bharat Vikas Bhawan, Plot No. MS-14 AD/ BD Block, (Adjoining BD-87), Pitampura, Delhi-110034 Editor : Dr. S.C.Gupta Printed at: BHAWNA PRINTERS, A-26, Naraina Industrial Area, Phase-II, Delhi-110028 Ph.: 9871577322

''अच्छे स्वास्थ्य में शरीर रखना एक कर्तव्य है, अन्यथा हम अपने मन को मजबूत और साफ रखने के लिए सक्षम नहीं हो पाएंगे।''

CONTENTS

1. सम्पादकीय/अपनी बात 4
2. रीजनल प्रौढ़ साधना शिविर/ Regional Workshop-2018 5
3. राष्ट्रीय परिषद् बैठक 6
4. National & Regional level Setup-2018-19 7
5. रीजनल अधिवेश पश्चिम रीजन 15
6. Building Brand BVP 16
7. स्वास्थ्य 19
8. आओ कुछ हंस लें 22
9. नेत्रदान 23
10. Regional Mahila Sammelan South 24
11. विविध गतिविधियाँ 25
12. सामूहिक सरल विवाह 31

विशेष
1. वृद्धावस्था और होम्योपैथी-पृष्ठ संख्या-14
2. स्वच्छता - एक अभियान-पृष्ठ संख्या-29
3. परिवार ही विद्यालय - पृष्ठ संख्या-32
4. सिक्ख पंथ के पंचम गुरु अर्जनदेव का बलिदान - पृष्ठ संख्या-34

अप्रैल मास के पर्व

07 : विश्व स्वास्थ्य दिवस,
13 : जलियांवाला बाग हत्याकाण्ड,
14 : वैशाखी, डॉ. अम्बेडकर जयन्ती
15 : बहाग बिहु (असम),
18 : भगवान परशुराम जयन्ती,
20 : शंकराचार्य जयन्ती, सूरदास जयन्ती,
27 : गुरु तेगबहादुर जयन्ती,
30 : बुद्ध पूर्णिमा

Central & Regd. Office:
BHARAT VIKAS BHAWAN
Behind Power House,
Pitam Pura, Delhi -110034
Ph: 011- 27313051, 27316049 Fax: 011-27314515
e-mail : bvp@bvpindia.com, niti@bvpindia.com
website : www.bvpindia.com

Price : Rs. 10.00 Per Copy
Annual Subscription : Rs. 100.00

सम्पादकीय...

समय का प्रवाहकितना तेज़ होता है इसका आभास उन्हीं लोगों को होता है जो लक्ष्य आधारित कर्म में तन्मयता से लगे रहते हैं। कब 4 वर्ष का कार्यकाल बीत गया। किस सीमा तक हम लक्ष्य की ओर कदम बढ़ा सके, आगे कितना आगे जाना है। समयवद्ध कार्य योजना बना कर प्रगति के सोपान निर्धारित करने का समय है। नये लोगों को जोड़ना, पूर्ववर्ती कार्यकर्ताओं का मूल्यांकन करना और नई टीम का निर्धारण करना एक कठिन प्रक्रिया होती है। राष्ट्रीय स्तर पर यह प्रक्रिया न्यूनतम छः माह से शुरू होनी चाहिए। अपनी परम्परा और पद्धति में यह प्रक्रिया कम समय में और निश्चित कालावधिमें पूर्ण करनी होती है। काम करने वाले कार्यकर्ताओं को परिषद् में काम करने का अपना क्षेत्र स्वयं निर्धारित करन होता है। यह स्पष्ट लक्ष्य है कार्य विस्तार। इसका विचार करना उचित होगा।

आगामी वर्ष में सामाजिक समरसता के महत्वपूर्ण माध्यम सामूहिक विवाह का सभी क्षेत्रों में विस्तार करने पर विचार हुआ। रक्तदान के अभियान को निरन्तर प्रगति के सोपान प्राप्त हो यह अपेक्षा है। बेटी बचाओ का सार्थक प्रयोग सफल रहा हैं इस प्रयोग के अनुवर्ती प्रयास हेतु महिला सुरक्षा के प्रशिक्षण शिविरों अथवा कार्यक्रमों में जोर देना अपेक्षित है। पर्यावरण मंत्रालय ने Green Good Deeds की एक महत्वकांक्षी योजना को भारत विकास परिषद् के सहयोग से पूरे देश में प्रचारित-प्रसारित एवं क्रियान्वित करने का प्रस्ताव किया। यह हमारे लिए शाखा विस्तार एवं स्कूली बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने का स्वर्णिम अवसर है।

आप सभी सुधी पाठकों एवं परिषद् सदस्यों ने नीति के माध्यम से जागरूकता का परिचय दिया। सम्पादक के रूप में आपका सहयोग, सुझााव एवं विचारों से मैं सदैव प्रेरणा लेता रहा और आपकी अपेक्षाओं को पूरा करने का प्रयास करता रहा। कहाँ तक सफल हुआ यह आपके सोचने का विषय है।

इस अंक से मेरे सम्पादकीय का विराम होगा।

अगले अंग से नीति का सम्पादकीय श्री मनोज अवस्थी के द्वारा प्रस्तुत होगा। श्री मनोज अवस्थी व्यवसाय की दृष्टि से प्रमुख कारपोरेट कम्पनी के उप महाप्रबन्धक (अनुपालन एवं सम्पर्क) पद पर कार्यरत हैं। परिषद् में उनका योगदान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एक वर्ष में लगभग 12 शाखाओं की स्थापना, रक्तदान अभियान के डॉक्यूमेंट्री, वी.आई.पी. सन्देश, वीडियो क्लिप के साथ नीति मेल पर आने वाले समाचारों के सम्पादन का दायित्व वे गत वर्षों में निर्वहन कर रहे हैं। पत्रकारिता एवं जन सम्पर्क में उनकी गहरी रूचि है। आशा करता हूँ कि आपका स्नेह और सहयोग उन्हें प्राप्त होगा।

धन्यवाद

- डॉ. सुरेश चन्द्र गुप्ता, सम्पादक

अपनी बात.....

समय की गति असीमित है। मनुष्य की क्षमता सीमित है। अभी कम समय गुजरा था। परिषद् के विचारशील पाठकों के साथ, परिवार के सदस्यों, महिलाओं, बच्चों के साथ नीति के माध्यम से कुछ ऐसा प्रगाढ़ स्नेह हो गया था कि कुछ लि4ते समय ऐसा लगता था कि आपसे बाते कर रहा हूँ। शाखा के समाचारों की गुणवत्ता, समाचार लिखने का ढ़ंग, फोटो की उपलब्धता आदि विषयों पर आपसे फोन वार्ता होती थी। आपके सुझाव पर नीति के विषयों में कुछ संशोधन भी प्रस्तावित था। इसी बीच आपका स्नेह और आत्मीयता का ही संयोग रहा कि दायित्व में परिवर्तन हो गया। नई टीम, नई सोच के साथ पुराने आत्मीयतापूर्ण संबंधों को आगे बढ़ाने में मददगार होगी। सम्पादक के नाते मेरा आपका साथ शायद इतने दिनों का ही था। इतना आश्या है कि नवीन दायित्व के नाते आपसे नीति के माध्यम से अपनी बात कहने का अवसर मिलता रहेगा और आपके सुझाव प्राप्त करने का संयोग भी बना रहेगा। सम्पादन काल की इस यात्रा में कुछ त्रुटियाँ तो अवश्य हुई होगी, अपना समझ कर भुला दें। - **सम्पादक**

रीजनल प्रौढ़ साधना शिविर

अमृतसर : उत्तर रीजन का प्रौढ़ साधना शिविर दुर्गा मंदिर परिसर में सम्पन्न हुआ। शिविर में 481 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। परिवार प्रबोधन, आरोग्य जीवन, योग तथा नशा मुक्ति पर विशेषज्ञों द्वारा संबोधन दिया गया। विघटन, तनाव और आधुनिक जीवन प्रणाली पर प्रतिनिधियों ने चिन्तन किया। शिविर में तरन तारन, गुरदासपुर और पठानकोट शाखाओं का प्रशंसनीय योगदान रहा। ओ.पी. शर्मा और डी.पी. गुप्ता के संयोजन, रीजनल तीा प्रान्तीय पदाधिकारियों ने भाग लिया। शिविर में ललित महाजन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एस.क. वाधवा, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री विनीत गर्ग ने भाग लिया।

हरिद्वार : हरिद्वार के गीत गोविन्द बैंकेट सभागर में उत्तर मध्य रीजन (उत्तर प्रदेश व उत्तराखण्ड) का प्रौढ़ साध ना शिविर सम्पन्न हुआ। शिविर में 550 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। उद्घाअन अवसर पर मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने समाज में वरिष्ठ नागरिों की भूमिका एवं उनके योगदान की सराहना कीं विशिष्ट अतिथि पूज्य स्वामी चिदानन्द परमार्थ आश्रम, ऋषिकेश ने परिषद् के ऐसे शिविरों की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने सामाजिक जीवन में अध्यात्म के बारे में समाज को जागृत करने का भी आग्रह किया। दूसरे सत्र में परिषद् को मानद सदस्य मंत्री मदन कौशिक जी ने शिविर की व्यवस्थाओं पर संतोष प्रकट किया।

सायंकाल स्थानीय कलाकारों, प्रतिभागियों के द्वारा आकर्ष सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि श्री रमेश पोखरिवाल सांसद हरिद्वार ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनन्द लिया। प्रोढ़ सदस्यों में मुख्य शाखा मुजफ्पुरनगर से पधारे अनुराग सिंघल ने आकर्षक एवं रोचक, प्रेरणा एवं उत्साहवर्धक द्विपक्षीय संवाद प्रस्तुत किया। शिविर में सभी प्रान्तों का प्रतिनिधित्व रहा। केशवदत्त गुप्ता, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, डॉ. आर.बी.श्रीवास्तव तथा रीजनल एवं राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने सहभागिता की।

मन की बात.....

''नीति'' पत्रिका की सारगर्भित, सात्विक, संदेशपूर्ण, सार्थक रचनाएँ पाठकों को ऊर्जावान बनाती है। इन गुणवत्तापूर्ण रचनाओं हेतु 'नीति' की पृष्ठ संख्या बढ़ाने की आवश्यकता है। ताकि गतिविधियों तथा समाचारों के साथ पाठकों को उत्कृष्ट रचनाएँ भी अधिक संख्या में पढ़ने को मिले। मैं स्कूलों में जब बच्चों को समय प्रबन्धन पर वार्ता देने जाता हूँ तब संस्था प्रधानों को नीति पत्रिका से जुड़ने की प्रेरणा देता हूँ। मैं सभी इच्छुक बच्चों को अपनी पुस्तिकाएँ समय, कैरियर इत्यादि की सोफ्ट कॉपी उपहार स्वरूप देता रहता हूँ। 'नीति' के इच्छुक पाठक को अपने व्हॉट्एच और ई-मेल पर सम्पर्क करने का आग्रह करता हूँ। 'नीति पत्रिका हर विद्यालय के पुस्तकालय में होनी चाहिए। नगर के परिषद् से जुड़े अधिकारी नीति की अतिरिक्त प्रतियाँ मंगवाकर नगर के स्कूलों को देकर नीति से जोड़कर भारत माता की सेवा कर सकते हैं।

-**दिलीप भाटिया**, सेवानिवृत्त, परमाणु वैज्ञानिक, रावतभाटा (राजस्थान)

PROPOSED REGIONAL WORKSHOP 2018

S.No.	Region	Date/month	Place
1	North	14-15 April, 2018	Delhi (Delhi North)
2	North Central	01-02 April, 2018	Muzaffarnagar (Hastinapur)
3	Central	21-22 April, 2018	Jaipur (Rajasthan North East)
4	East	28-29 April, 2018	Kolkata (West Bengal)
5	North East	12-13 May, 2018	Guwahati (Assam)
6	West	28-29 April, 2018	Mumbai (Maharashtra)
7	South	05-06 May, 2018	Vijaywada (Andhra Pradesh)

-**Ajay Datta,** National Secretary General

राष्ट्रीय परिषद् बैठक

आगरा : परिषद् की राष्ट्रीय परिषद् की बैठक ब्रज प्रदेश की आतिथ्य में 24-25 फरवरी, 2018 को आगरा के मधु रिसोर्ट के सभागार में सम्पन्न हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम पारीक की अध्यक्षता में उद्घाटन सत्र में पूज्य स्वामी माधव प्रपन्नाचार्य ने परिषद् के विकास कार्यों एवं प्रकल्पों पर अपनी स्वीकृति जताते हुए राष्ट्रीय परिषद् के सदस्यों को प्रेरणाप्रद उद्बोधन प्रदान किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम पारीक जी ने परिषद् के अपने कार्यकाल में विस्तार एवं उपलब्धि यों के साथ संभावित चुनौतियों का जिक्र किया और सभी का आभार जताया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सुरेश चन्द्र गुप्ता, डॉ. केशव दत्त गुप्ता, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री सुरेश जैन, राष्ट्रीय महामंत्री श्री अजय दत्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रान्त की पत्रिका ब्रजनीति के 'उदय' विशेषांक डॉ. मृदुला जुनेजा, प्रधान सम्पादक एवं उनकी टीम द्वारा विमोचन कराया गया।

सदस्यों के परिचय के पश्चात् गत राष्ट्रीय परिषद् एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठकों की कार्यवाही की पुष्टि की गई। श्री सम्पत खुरदिया और श्री बी.एल.गग्गर जी ने लेखा तथा प्रान्तों के खातों का समायोजन, नियमों में संशोधन विषयों पर विचार रखे। केन्द्र द्वारा प्रदत प्रोफार्मा पर देश के साथ रीजनों की आख्या राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्रियों द्वारा प्रस्तुत की गई। समूहश: बैठकों में सभी स्तरों पर समायोजन, प्रवास, प्रकल्प, जिलों में विस्तार, कार्यशाला आदि विषयों पर गहन चिन्तन किया गया।

प्रकल्प कथन के सत्र में समूहगान, भारत को जानो, महिला एवं बाल विकास, समग्र ग्राम विकास विषयों पर डॉ. त्रिभुवन, डॉ. तरुण शर्मा, श्रीमती अविनाश शर्मा एवं श्री अशोक जाधव ने प्रकल्पों के विकास की आख्या प्रस्तुत की। इसी सत्र में गीत के उपरान्त माानीय वी. भगय्या, सहससरकाग्रवाह का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इसको अन्यत्र प्रकाशित किया जा रहा है। रात्रि को ब्रज संस्कृति पर आधारित भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया।

अगले सत्र में संस्कार, सेवा तथा प्रकाशन और जनसम्पर्क के बारे में यशवाल गुप्ता, जीवनराम गुप्ता तथा डॉ. सुरेशचन्द्र गुप्ता ने आख्या प्रस्तुत की। श्री बी.एल.गग्गर, चुनाव अधिकारी तथा सुनील खेड़ा सहायक के द्वारा राष्ट्रीय पदाधिकारियों का युनाव सम्पन्न हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष, डॉ. सुरेश चन्द्र गुप्ता, राष्ट्रीय महामंत्री श्री अजय दत्ता, राष्ट्रीय वित्त मंत्री श्री ओम प्रकाश कानूनगो, तथा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (केन्द्रीय कार्यालय) श्री श्याम शर्मा, उत्तर रीजन श्री सुरेन्द्र कुमार वधवा, उत्तर मध्या रीजन डॉ. केशव दत्त गुप्ता, पूर्व रीजन श्री सच्चिदानन्द पाण्डा, उत्तर पूर्व रीजन डॉ. सिनाम राजेन्द्र सिंह, मध्य रीजन श्री एस.एल. पानगड़िया, पश्चिम रीजन श्री अजितभाई आर. शाह, तथा दक्षिण रीजन श्री रमेश चन्द्र जैन निर्वाचित हुए। अवन्तर नवनिर्वाचित पदाधिकारियों की बैठक के उपरान्त राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री सुरेश जैन, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री चन्द्रसेन जैन (केन्द्रीय कार्यालय), श्री विनीत गर्ग-उत्तर रीजन, श्री मुकेश जैन-उत्तर मध्य रीजन, डॉ. बाल्मिकी कुमार-पूव्र रीजन, श्री स्वदेश रंजन गोस्वामी-उत्तर पूर्व रीजन, श्री अरुण डागा-मध्य रीजन, श्री उमेश राठी, पश्चिम रीजन एवं श्री धुलिपाल पुरुषोत्तम शास्त्री-दक्षिण रीजन को मनोनित किया गया।

समापन सत्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम पारीक जी ने मुक्त चिन्तन में आये प्रश्नों का उत्तर दिया। श्री विनीत गर्ग ने आतिथ्य प्रान्त को भव्य आयोजन एवं श्रेष्ठ आतिथ्य के लिए आभार व्यक्त किया।

FOR SENIOR CITIZENS

Dr. R.K. Modi from Navi Mumbai has suggested some valuable points to be executed by our senior citizen members:

1) Our senior citizen members can form a group of 2-4. They should visit schools to motivate the students for moral education and Indian Cultural superiority. They may give moral value oriented talks to different groups such as below class –V, Class 6-8 and class 9-12.
2) Our members may visit old age homes and hospitals to meet the patients and residents to analyze their problems and solve them accordingly.
3) This group can manage and organize one or two essay competitions on our freedom fighters and ask students for essays of 200-300 words. Can also arrange prize distribution and certificates for winners.

Please see the feasibility of the projects and hand over the project to senior members. -Editor

BHARAT VIKAS PARISHAD
National & Regional level setup for the period 2018-2019

National Level

1.	National President	Dr. Suresh Chandra Gupta	Farrukhabad
2..	National Vice President - Head Office	Shri Shyam Lal Sharma	Kota
3.	National Vice President - North	Shri Surinder Kumar Wadhwa	Delhi
4.	National Vice President - North Central	Shri Keshav Dutt Gupta	Agra
5.	National Vice President - East	Shri Sachidananda Panda	Bhubaneswar
6.	National Vice President - North East	Dr. Sinam Rajendra Singh	Imphal
7.	National Vice President - Central	Shri S. L. Pangadiya	Bhilwada
8.	National Vice President - West	Shri Ajit Raman Lal Shah	Ahmedabad
9.	National Vice President - South	Shri Ramesh Chander Jain	Vishakhapatnam
10.	National Secretary General	Shri Ajay Dutta	Chandigarh
11.	National Finance Secretary	Shri Om Prakash Kanoongo	Mumbai
12.	National Organizing Secretary	Shri Suresh Jain	Delhi
13.	National Auditor General	Shri Sampat Khurdia	Mumbai
14.	National Addl. Secy. General - Head Office	Shri Chander Sain Jain	Rohtak
15.	National Addl. Secy. General - North	Shri Vineet Garg	Delhi
16.	National Addl. Secy. General -North Central	Shri Mukesh Jain	Lucknow
17.	National Addl. Secy. General - East	Dr. Balmiki Kumar	Patna
18.	National Addl. Secy. General - North East	Shri Swadesh Ranjan Goswami	Kolkata
19.	National Addl. Secy. General - Central	Shri Arun Daga	Gwalior
20.	National Addl. Secy. General - Central	Shri D.D. Sharma	Pali Marwar
21.	National Addl. Secy. General - West	Shri Umesh Rathi	Nashik
22.	National Addl. Secy. General - South	Shri Dulipal Purushottam Sastry	Rajahmundry
23.	National Addl. Secy. General-Trust& Societies	Shri Sanjeev Kumar Bansal	Moradabad

Chairmen Project Committees:

24.	National Chairman (Sewa)	Shri Yash Paul Gupta	Ludhiana
25.	National Chairman (Sanskar)	Shri P.K.Jain	Kota
26.	National Chairman (BKJ)	Dr. R.B. Srivastava	Raebareli
27.	National Vice-Chairman (BKJ)	Dr. Tarun Sharma	Agra
28.	National Chairman (GVCA)	Shri Neeraj Gupta	Mumbai
29.	National Chairman (NGSC)	Shri Dattatreya Bal Chitale	Pune
30.	National Chairman (Gram Vikas)	Shri G.P.Singh	Ranchi
31.	National Chairperson (Mahila & Bal Vikas)	Smt. Avinash Sharma	Jind
32.	National Chairman (Sampark)	Shri N. Daulath Rao	Bangalore

National Secretaries:

33. National Secretary (Sanskar)	Shri Ajay Bansal	Gwalior
34. National Secretary (Legal)	Shri B.L.Gaggar	Mumbai
35. National Secretary (Mahila & Bal Vikas)	Smt. Shashi Azad	Delhi
36. National Secretary (NGSC)	Dr. Tribhuwan Sharma	Bikaner
37. National Secretary (BKJ)	Shri Rakesh Sachdeva	Moga
38. National Secretary (Sewa)	Dr. Anil Kalia	Jalandhar
39. National Secretary (Vanvasi)	Dr. Yudhishther Trivedi	Banswara
40. National Secretary (Environment)	Shri Ramesh Chender Goyal	Delhi
41. National Secretary (Viklang Sahayata)	Shri Bimal Kumar Jain	Patna
42. National Secretary (Prakashan)	Shri Mahesh Sharma	Delhi
43. National Secretary (Editor Gyan Prabha)	Dr. Champa Srivastava	Raebareli
44. National Secretary (Editor Niti)	Shri Manoj Awasthi	Ghaziabad
45. National Secretary (Organisation-North)	Shri Shushil Sharma	Pathankot
46. National Secretary (Organisation-North)	Shri Rakesh Sehgal	Panchkula
47. National Secretary (Organisation-North)	Shri Shriniwas Bihani	Fazilka
48. National Secretary (Organisation-North)	Shri Sudhir Verma	Ambala
49. National Secretary (Organisation-North)	Shri Nidhish Gupta	Delhi
50. National Secretary (Finance-North)	Shri Sanjeev Miglani	Delhi
51. National Secretary (Org.-North Central)	Shri Sunil Khera	Rudrapur
52. National Secretary (Org.-North Central)	Shri Kulbhushan	Sahibabad
53 National Secretary (Org.-North Central)	Shri Jivan Ram Gupta	Orai
54. National Secretary (Org.-North Central)	Shri Brahmanand Peshwani	Varanasi
55. National Secretary (Finance-North Central)	Shri Anirudh Agarwal	Sahibabad
56 National Secretary (East)	Shri Mithilesh Kumar Verma	Motihari
57 National Secretary (East)	Shri Shivbhagwan Gupta	Barbigha (Patna)
58. National Secretary (East)	Shri Pramod Kumar Ambashtha	Ranchi
59. National Secretary (East)	Smt. Geeta Patnayak	Bhubaneswar
60. National Secretary (Finance-East)	Shri Deepak Kumar Ruia	Dhanbad
61. National Secretary (North East)	Shri Angshu Kumar Ray	Silchar
62. National Secretary (North East)	Shri Dipak Dutta	Bongaigaon
63. National Secretary (North East)	Shri Dhirendra Kalai	Agartala
64. National Secretary (North East)	Shri Brahmacharimayum B. Sarma	Imphal
65. National Secretary (Finance-North East)	Shri Arindam Bhattacharjee	Silchar

66.	National Secretary (Central)	Shri Mukan Singh Rathore	Bhilwara
67.	National Secretary (Central)	Shri Sitaram Goyal	Kota
68.	National Secretary (Central)	Shri Ghanshyam Sharma	Suratgarh
69.	National Secretary (Central)	Shri Rajesh Jain	Katni
77.	National Secretary (Central)	Shri Arvind Bandi	Indore
71.	National Secretary (Finance-Central)	Shri Mal Chand Garg	Madanganj Kishangarh
72.	National Secretary (West)	Shri Rajendra Jog	Pune
73.	National Secretary (West)	Shri Girish Doshi	Satara
74.	National Secretary (West)	Shri Vallabhbhai M. Ramani	Ahmedabad
75.	National Secretary (Finance-West)	Shri Raj Kumar Bhagat	Ahmedabad
76.	National Secretary (South)	Shri P. S. Gopinath	Kochi
77.	National Secretary (South)	Shri Jagadish M. Maligi	Dharwad
78.	National Secretary (South)	Shri K.S.V.R. Prasad	Hyderabad
79.	National Secretary (Finance-South)	Shri K.V. Brahmum	Guntur

Regional Level

1.	Regional Secretary Organisation - North	Shri Arun Sharma	Jammu
2.	Regional Secretary Organisation - North	Shri Harinder Gupta	Patiala
3.	Regional Secretary Organisation - North	Dr. Rajesh Manan	Jalandhar
4.	Regional Secretary Organisation - North	Shri Raj Kumar Aggarwal	Faridabad
5.	Regional Secretary Organisation - North	Shri Subhash Chander Manocha	Delhi
6.	Regional Secretary Sewa - North	Shri Dev Raj Sharma	Jammu
7.	Regional Secretary Sewa - North	Shri K.L.Chauhan	Chandigarh
8.	Regional Secretary Sewa - North	Dr. Rajesh Puri	Moga
9.	Regional Secretary Sewa - North	Dr. Vasudev Bansal	Narwana
10.	Regional Secretary Sewa - North	Shri Madan Malik	Delhi
11.	Regional Secretary Sanskar - North	Dr. (Smt.) Santosh Gupta	Jammu
12.	Regional Secretary Sanskar - North	Shri Salil Shamshery	Shimla
13.	Regional Secretary Sanskar - North	Shri Sandeep Watts	Abohar
14.	Regional Secretary Sanskar - North	Shri C.P. Ahuja	Fatehabad
15.	Regional Secretary Sanskar - North	Shri M.L.Sharma	Delhi
16.	Regional Secretary Sampark - North	Shri Kumud Mehta	Nagrota
17.	Regional Secretary Sampark- North	Shri K.K. Sood	Nangal
18.	Regional Secretary Sampark- North	Shri Narender Mittal	Ludhiana
19.	Regional Secretary Sampark - North	Shri Joginder Madan	Karnal

20.	Regional Secretary Sampark - North	Shri Ashok Azad	Delhi
21.	Regional Secretary Mahila - North	Smt. Archana Singhal	Delhi
22.	Regional Secretary Mahila - North	Smt. Seema Joshi	Patiala
23.	Regional Secretary Gram Vikas - North	Shri Radhe Sham Mahajan	Dinanagar
24.	Regional Secretary Environment-North C.	Shri Vineet Sangal	Shamali
25.	Regional Secretary Org.- North Central	Shri Anurag Dublish	Mawana Meerut
26.	Regional Secretary Org. - North Central	Shri Pawan Aggarwal	Lucknow
27.	Regional Secretary Org.- North Central	Shri Satyendra Gupta	Roorkee
28.	Regional Secretary Org.- North Central	Shri Rajeev Ratan Bhargawa	Allahabad
29.	Regional Secretary Sewa- North Central	Shri Shashi Bhushan Gupta	Kannouj
30.	Regional Secretary Sewa- North Central	Shri Alok Kapoor	Varanasi
31.	Regional Secretary Sewa - North Central	Dr. Nitin Dalabh	Sambhal
32.	Regional Secretary Sewa- North Central	Shri Sanjeev Jain	Firozabad
33.	Regional Secretary Sampark-North Central	Shri Pankaj Jindal	Noida
34.	Regional Secretary Sampark-North Central	Shri Maithili Sharan Gupta	Jhansi
35.	Regional Secretary Sampark-North Central	Shri Pramod Ram Tripathi	Varanasi
36.	Regional Secretary Sanpark-North Central	Shri Ajay Kumar Bishnoi	Moradabad
37.	Regional Secretary Sanskar-North Central	Shri Rajeev Aggarwal	Agra
38.	Regional Secretary Sanskar- North Central	Shri Bhagwan Sahai Aggarwal	Haldwani
39.	Regional Secretary Sanskar- North Central	Shri Bharat Bhushan Juneja	Kanpur
40.	Regional Secretary Sanskar- North Central	Shri S.N. Gupta	Allahabad
41.	Regional Secretary Mahila- North Central	Smt. Usha Asthana	Lucknow
42.	Regional Secretary Mahila- North Central	Smt. Shradha Agarwal	Varanasi
43.	Regional Secretary Mahila - North Central	Dr. Divya Lahari	Aligarh
44.	Regional Secretary Mahila- North Central	Smt. Rekha Arora	Rudrapur
45.	Regional Secretary Org. - East	Shri Udai Chand Gupta	Nalanda
46.	Regional Secretary Org. - East	Shri B.D.Sahu	Maithon
47.	Regional Secretary Org.- East	Shri Ajay Das	Bhubaneswar
48.	Regional Secretary Org.- East	Shri Amar Nath Choudhry	Kolkata
49.	Regional Secretary Org.- East	Shri Ram Thakur	Begusarai
50.	Regional Secretary Org.- East	Shri Hanuman Prasad Agarwal	Buxer
51.	Regional Secretary Sewa - East	Shri Nitish Kumar Ranjan	Barbigha (Patna)
52.	Regional Secretary Sewa - East	Shri Udai Jaiswal	Madhubani
53.	Regional Secretary Sewa - East	Shri Ramratan Maharshi	Jhumari Telaiya

54.	Regional Secretary Sewa- East	Shri B.K.Mishra	Bhubaneswar
55.	Regional Secretary Sewa- East	Shri Ram Gopal Jhanwar	Kolkata
56.	Regional Secretary Sanskar - East	Shri H.R. Singh	Dhanbad
57.	Regional Secretary Sanskar - East	Shri Munna Prasad	Nawada
58.	Regional Secretary Sanskar - East	Shri S.S. Sharma	Sambhalpur
59.	Regional Secretary Sanskar - East	Dr. S. N. Patel	Motihari
60.	Regional Secretary Sanskar - East	Shri Jagadish Prasad Mundra	Kolkata
61.	Regional Secretary Sampark- East	Prof. Ranjit Kumar Verma	Gaya
62.	Regional Secretary Sampark- East	Shri K.K.Sinha	Dhanbad
63.	Regional Secretary Sampark- East	Shri G.P. Mishra	Bhubaneswar
64.	Regional Secretary Sampark- East	Shri Shyam Sunder Agarwal	Kolkata
65.	Regional Secretary Sampark- East	Dr. Shailendra Kumar	Saharsa
66.	Regional Secretary Sampark- East	Shri Madhusudan Sharma	Patna
67.	Regional Secretary Mahila - East	Smt. Seema Sharma	Muzaffarpur
68.	Regional Secretary Mahila - East	Smt. Sarita Sinha	Bokaro
69.	Regional Secretary Mahila - East	Smt. Bijayanandani Dubey	Bhubaneswar
70.	Regional Secretary Mahila - East	Dr. Reeta Bhattacharya	Kolkata
71.	Regional Secretary Mahila - East	Smt. Renu Varshney	Patna
72.	Regional Secretary Org. - North East	Shri Pratha Pratim Dutta	Guwahati
73.	Regional Secretary Org. - North East	Shri Vinod Bagaria	Tezpur
74.	Regional Secretary Org. - North East	Shri Jagadindu Deb	Karimganj
75.	Regional Secretary Org. - North East	Shri Prakash Takur	Jorhat
76.	Regional Secretary Org. - North East	Shri Pradeep Kumar Bhagawati	Bongaigaon
77.	Regional Secretary Org. - North East	Shri Pradeep Kumar Banik	Silchar
78.	Regional Secretary Org. - North East	Shri Rajkumar Dilip Singh	Imphal
79.	Regional Secretary Org. - North East	Shri Nikhil Ranjan Das	Karimganj
80.	Regional Secretary Sewa - North East	Shri Debashish Chakraborty	Guwahari
81.	Regional Secretary Sampark - North East	Smt. Anuradha Jain	Imphal
82.	Regional Secretary Sanskar - North East	Shri Harinath Sarma	Guwahati
83.	Regional Secretary Mahila - North East	Smt. Jaba Bhattacharjee	Tripura
84.	Regional Secretary Org.- Central	Shri Anil Goyal	Jodhpur
85.	Regional Secretary Org.- Central	Dr. Jairaj Acharya	Udaipur
86.	Regional Secretary Org.- Central	Shri Surya Prakash Bagla	Keshavraipatan
87.	Regional Secretary Sanskar- Central	Shri Ashok Mittal	Alwar

88. Regional Secretary Sanskar- Central	Shri Tarachand Jatol	Barmer
89. Regional Secretary Sanskar- Central	Shri Santosh Gupta	Gangapur City
90. Regional Secretary Sewa- Central	Shri R.P. Sharma	Jaipur
91. Regional Secretary Sewa- Central	Shri Anil Chordia	Pali
92. Regional Secretary Sampark&Swea-Central	Shri Ashok Vashishtha	Kota
93. Regional Secretary Sampark - Central	Shri Rajeev Sharan Saxena	Jaipur
94. Regional Secretary Sampark - Central	Shri Sunil Lavankar	Shri Ganganagar
95. Regional Secretary Sampark - Central	Shri Govind Sodani	Bhilwara
97. Regional Secretary Mahila - Central	Dr. (Smt.) Santosh Godha	Udaipur
98. Regional Secretary Mahila - Central	Smt. Anita Jain	Kota
99. Regional Secretary Gram Vikas - Central	Shri Lalit Kumar Tailor	Kapren
100.Regional Secretary Org.- Central	Shri Arvind Garg	Bilaspur
101.Regional Secretary Org.- Central	Shri Raman Chaddha	Dewas
102.Regional Secretary Sampark- Central	Shri Anand Singh	Shahdol
103.Regional Secretary Sampark- Central	Shri Mukesh Laddha	Ujjain
104.Regional Secretary Sanskar- Central	Dr. K.S. Mangal	Gwalior
105.Regional Secretary Sanskar- Central	Shri Pradeep Agarwal	Ujjain
106.Regional Secretary Sewa- Central	Shri S.B. Sharma	Bhind
107.Regional Secretary Sewa- Central	Shri Anant Dike	Jabalpur
108.Regional Secretary Mahila - Central	Smt. Jyoti Gupta	Gwalior
109.Regional Secretary Org. - West	Smt. Swardhuni Vipra	Nashik
110.Regional Secretary Sanskar - West	Smt. Sarika Pendse	Nagpur
111.Regional Secretary Sampark- West	Shri Shripad Takalkar	Aurangabad
112.Regional Secretary Sewa - West	Shri Sachin Ganjwe	Pune
113.Regional Secretary Mahila - West	Smt. Sujata Khatavkar	Pune
114.Regional Secretary Org. - West	Shri Bhimjibhai Rupani	Mumbai
115.Regional Secretary Org. - West	Shri Sanjay Priyolkar	Goa
116.Regional Secretary Sewa - West	Shri K.K.Agarwal	Mumbai
117.Regional Secretary Sanskar - West	Shri B.M.Gattani	Mumbai
118.Regional Secretary Sampark - West	Shri Ashok Goyal	Thane
119.Regional Secretary Org. - West	Shri Himmatsingh N. Rathod	Ahmedabad
120.Regional Secretary Sewa - West	Shri Bharatbhai Chimanlal Thakkar	Harij
121.Regional Secretary Sanskar - West	Shri Vinodhbhai H. Shah	Ahmedabad
122.Regional Secretary Sampark - West	Shri Jagdish R. Rana	Ahmedabad
123.Regional Secretary Mahila - West	Smt. Gitaben Desai	Ahmedabad

124.Regional Secretary - South	Shri K.K.Janardhanan	Chennai
125.Regional Secretary - South	Shri M.R. Bhargava	Bangalore
126.Regional Secretary - South	Shri Panduranga Nayak	Belgam
127.Regional Secretary - South	Shri A. Balakrishnan	Coimbatore
128.Regional Secretary - South	Shri S. Mohan	Bangalore
129.Regional Secretary - South	Shri S. Gopala Rao	Anakapalli
130.Regional Secretary - South	Shri Vishwanath Agarwal	Kochi
131.Regional Secretary - South	Shri Vittal Das K. Patel	Hospet
132.Regional Secretary - South	Shri M.V.V.Satyanarayana	Vishakhapatnam
133.Regional Secretary - South	Shri Rajan Valiathan	Kochi
134.Regional Secretary - South	Shri Uday Revankar	Hubli
135.Regional Secretary - South	Shri Kasi V. Rao	Secundrabad
136.Regional Secretary - South	Shri C.Rajeshwar Rao	Hyderabad
137.Regional Secretary - South	Shri G. Panduranga M.	Mahaboobnagar
138.Regional Secretary - South	Dr. M.R.V. Sharma	Rajahmundry
139.Regional Secretary Mahila- South	Smt. Sujan Prabha	Secundrabad
140.Regional Secretary Mahila- South	Dr. Suneeta G. Purohit	Dharwad

- National Secretary General

राष्ट्रीय परिषद् आगरा में माननीय वी. भागय्या जी का उद्‌बोधन

राष्ट्रीय परिषद् की बैठक में माननीय वी. भागय्या सहसरकार्यवाह ने परिषद् सदस्यों के लिए मानव जीवन के सभी मूल्यों की अवधारणा पर अपने विचार प्रकट किये। डॉ. सूरज प्रकाश जी को परिषद् की अवधारणा और कार्यपद्धति की स्पष्ट कल्पना थी। उन्होंने चिन्तन का दर्शन किया। उन्होंने इस जीवन में आत्मसात किया थां यह नया निर्माण नहीं है। राष्ट्र की एक पुरानी संस्कृति है, एक समाज है जो संस्कृति का वाहक है। इसका एकात्मता बोध समाज जीवन में विकसित हुआ है। ऐसे जीवन्त समाज को खड़ा करना हमारा दायित्व है। दुनिया की सभी संस्कृतियों में एक ही तत्व का प्रकटीकरण होता है। रियाद में भारतीय सांस्कृतिक महोत्सव में नृत्य गीत प्रस्तुति के समय झुक कर प्रणाम किया। यह सम्मान संस्कृति के प्रति कृतज्ञता का धोतक है। दुनिया में सभी लोग एक ही तत्व से निर्मित है और सभी के अन्त में एक में ही मिलना है, यह देवत्व है। सोने को पिघलाकर उसका आभूषण बनता है। आभूषणों में विविधता होती है। उनका आकार अलग है। विविधि ता में एकता का दर्शन ही संस्कृति है। प्रकृति मनुष्य की आवश्यकताओं को पूरा कर सकती है, उनकी आकक्षाओं को नहीं। अत: प्रकृति का शोषण नहीं दोहन होना चाहिए। विभिन्न विचारधाराओं में भोजन, वस्त्र, आवास के महत्व का ही चिन्तन किया गया। लेकिन बुद्धि भावना के महत्व के महत्व को उपेक्षित किया। शरीर से ही आचरण होता है। हमारे चिन्तन में चार आश्रमों का विचार किया गया। इसी पद्धति में बच्चों का विकास होता है। सम्पन्न, सुसंस्कृत, बन्धुता, स्वतंत्रता और समानता आवश्यक है। आज समाज में धन, बुद्धि, संसाधनों का अहंकार है। अहंकार नहीं एकात्मता का बोधकरण चाहिए। ऐसे चिन्तन से व्यक्ति में परिवर्तन आना चाहिए। हम संवेदनाओं, भावनाओं और दायित्व को पहचानने वाले लोग है। रूप, देश, संस्कृति और इतिहास का संदेश एक ही है शिक्षा की प्राथमिकता, निर्धनता, सहायता, संवेदनशील विषय हैं समूहगान के द्वारा व्यक्ति में परिवर्तन होता हैं सदस्यों के स्वभाव बदलना चाहिए। अधिकार नहीं दायित्व। मैं बड़ा नहीं संगठन बड़ा है। यही विचार अपेक्षित है।

वृद्धावस्था और होम्योपैथी

वृद्ध मनुष्य सम्मान के पात्र हैं, किन्तु वृद्धावस्था बिना चाहे आने वाला मेहमान ही है। कोई भी मनुष्य बूढ़ा होना नहीं चाहता और युवा रहने का प्रयत्न करता है। वृद्धावस्था में कई प्रकार की बीमारियों से लोग ग्रसित हो जाते हैं इनमें से एल्जाइमर नामक बीमारी प्रमुख है जिससे बुढ़ापा कष्टकारक होने लगता है। होम्योपैथी की दृष्टि से वृद्धावस्था के लक्षणों को दो भागों में विभाजित किया जा सकता है।

मानसिक लक्षण और शारीरिक लक्षण

मानसिक लक्षण व उपचार : अवसादग्रस्त व्यक्ति मोटे शरीर वाले, मोटे दिमाग वाले भी हैं, ये सर्दी से भयभीत एवं अधिक कपड़ों में लिपटे रहने वाले मिठाई-प्रिय वृद्धों के लिए CALCARIA CARB-30 शरीर एवं मानसिक रूप से भी स्वस्थ रहने में भी सक्षम है।

मानसिक-चोट से ग्रसित, शोकमग्न, कभी प्रेम, कभी झगड़ा, परस्पर विरोधी लक्षण वाले बूढ़े-बुजुर्ग, खाना खाते ही ही जिन्हें पुनः भूख लग जाती है, उनके लिए IGNATIA-200 एक राम बाण औषधि है।

घमंडी, नफरत से देखने वाले, सभी को तुच्छ एवं छोटा समझने वाले, मृत्यु-भय-युक्त व्यक्तियों के लिए PLATINA-30 एक महाऔषधि है।

एकान्त, पानी से डर, भूत-प्रेत दिखना, चिल्लाना, गाली बकना, पागल की तरह व्यवहार करने वाले इन वृद्ध लोगों को STRAMOMIUM-1000 की मात्रा सदा के लिए ठीक करने की ताकत रखती है। बकवादी, ईर्ष्यालू, गर्मी से परेशान बूढ़े बूढ़ियों के लिए LACHESIS-200 अमृत के समान है।

संदेह करने वाला, पति, पत्नी, बेटा, बेटी पर अविश्वास करने वाला, अनिंद्र से ग्रसित ऐसे वृद्ध व्यक्ति के लिए HYOCYMUNS-30 अत्यन्त लाभकारी है।

शारीरिक लक्षण व उपचार : मनुष्य के शरीर में जितनी लचक होगी उतना मनुष्य फुर्तीला एवं कार्यशील रह सकता है। डॉ. ए.एस.हाड्ड का कहतना है कि THIOSINAMINE 3X धमनियों एवं नाड़ियों के कड़ेपन का रोकने में सक्षम है। कमजोरी, चिड़चिड़ापन, नशे एवं व्यसनों में व्यतीत, सर्दी से भयभीत इन वृद्ध स्त्री पुरुषों के लिए NUXVOMICA-30 अत्यन्त लाभकारी औषधि है।

पेट पाचन क्रिया, लीवर में मजोरी, पेट में हवा भरना, शारीरिक क्षीणता आदि लक्षण से युक्त वृद्ध स्त्री-पुरुष के लए LYCOPODIUM-200 की मात्रा नवजीवन का संचार कर देती है।

सिर घुमाने से चक्कर की अनुभूति, प्रोस्टेट ग्रंथि की सूजन, कैंसर, ट्यूमर, रात में सूखी खांसी से युक्त वृद्धों के लिए CONIUM-30 सुबह-शाम लेने से लाभप्रद है। अधिक ठंड लगना, ठंडा भोजन पसंद करना, नक्सीर छूटना ऐसे वृद्ध स्त्री पुरुष को PHOSPHORUS-30 की मात्रा प्रति सप्ताह लेनी चाहिए।

हौम्योपैथी औषधियाँ रोग को जड़ से मिटाने एवं शरीर में नवस्फुर्ति संचार करने में सक्षम है। कुछ लोगों में मिथ्या धारणा बनी हुई है कि होम्योपैथी धीरे-धीरे काम करती है। जबकि आजकल उपलब्ध जर्मन-हाई पोटेंसी दवाईयाँ बिना किसी साइड इफैक्ट्स के अत्यन्त शीघ्र रोग को मिटाने में सक्षम है। - **डॉ. कैलाश सारस्वत**, एम.डी. (होम्यो)

Shri Bimal Kumar Jain, Secretary of Patna Viklang and Rehabilitation Center has been Nominated as Member of General Council of Rehabilitation Council of India under the Ministry of Social Justice and Empowerment Govt. of India. - Congratulate

रीजनल अधिवेशन रीजन पश्चिम

सोमनाथ, गुजरात : शंखनाद – पश्चिम रीजन (महाराष्ट्र, गुजरात और गोवा राज्यों) का अधिवेशन सामनाथ की पवित्र नगरी में सम्पन्न हुआ। 450 प्रतिनिधियों की उपस्थिति में उद्घाटन सत्र में सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति श्री अर्कनाथ चौधरी ने कहा कि प्राचीन ऋषियों और चिन्तों ने स्वांगीण विकास का विचार किया। संस्कृत भाषा की विशेषताओं के कारण इसे देव भाषा कहा गया है। विविधता वाले इस देश में सांस्कृतिक एकता सदैव विद्यमान रही है। हमारी वर्ण व्यवस्था में भेद और विषमता को कोई स्थान नहीं है। श्रुति पर आधारित वैदिक परम्परा के कारण धर्म और सदाचार की प्रेरणा बनी रहती है। उन्होंने शंखनाद स्मारिका का विमोचन किया राष्ट्रीय अध्यक्ष सीताराम पारीक ने अधिवेशनों के द्वारा परिषद् की गतिविधियों और प्रतिनिधियों के प्रत्यक्ष सम्पर्क से आत्मीयता का उल्लेख किया।

डॉ. जयन्तीभाई भडेसिया, क्षेत्रीय संघचालक ने हिन्दू जीवन पद्धति को जीवन की सर्वश्रेष्ठ पद्धति बताया। विभिन्न धर्मों में समानताओं के कारण एक सुखी और सार्थक विश्व का निर्माण हो सकता है। प्रकृति, पर्यावरण सरंक्षण के आधार पर आवश्यकतानुसार मनुष्य पशु-पक्षी, जीव-जन्तु प्रकृति का पोषण हमारा दायित्व है। संयमित उपयोग, शोषण नहीं दाहन, संस्कारों में महिलाओं की भूमिका परिवार आधारित संकल्पना की विस्तृत व्याख्या की।

श्री पंकजभाई रावल ने सनातन धर्म की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए समाजसेवी संस्थाओं की उपयोगिता पर संबोधन दिया। सेवा धर्म की महत्ता एवं नवधा भक्ति के साथ दृश्यभक्ति के उदाहरण रूप में हनुमान जी की भक्ति का उल्लेख किया। मनुष्य द्वारा भक्ति को मनुजा, तनुजा और वित्तजा भक्ति की व्याख्या की। श्री नलिनभाई रावल ने संगठन में कार्यकर्ता की भूमिका के बारे में उद्बोधन दिया। सामाजिक समरसता और जातीय विषमता को दूर करने में परिषद् की भूमिका की भी चर्चा हुई।

समापन सत्र में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अजीतभाई शाह, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री दत्ताबाल चितले, सम्पत खुरदिया की उपस्थिति में श्री सीताराम पारीक ने परिषद् कार्य के विस्तार में तकनीकी की भूमिका को रेखांकित करते हुए अधिवेशन की व्यवस्थाओं की सराहना की। उन्होंने समयवद्धता, शाखा के स्थायी प्रकल्प, निर्धन सहायता एवं संस्कारित परिवारों की आवश्यकता पर बल दिया।

साध्वी ऋतम्भरा का जनकपुरी शाखा में सम्मान

जनकपुरी (दिल्ली पश्चिम) के सनातन धर्म मंदिर में पूज्य दीदी माँ साध्वी ऋतम्भरा जी का आगमन हुआ। भारत विकास परिषद् जनकपुरी शाखा के अध्यक्ष के.बी.महाजन तथा शशि महाजन ने स्वागत एवं वन्दन किया। सभागार में प्रवेश के समय श्री एम.एल. गेरा द्वारा गिटार पर भजन गायन चल रहा था। मार्गदर्शक भूषण लाल पराशर ने परिषद् की गतिविधि यों एवं जनकपुरी शाखा के सेवा कार्यों की जानकारी दी। दीदी माँ ने कहा कि मनुष्य योनि ईश्वर द्वारा निर्मित सर्वश्रेष्ठ योनि है। फिर भी हम मनुष्य की तुलना पशु योनि के साथ करते हैं यह हमारी संस्कृति का चिन्तन नहीं है। हम एक ऐसा विश्व बनाने के लिए संकल्पवद्ध है जहाँ गरीब, पीड़ित, निर्धन और उपेक्षित लोगों की सेवा दायित्व और कर्तव्य भाव से की जा सके। उन्होंने कहा कि जैसे माँ अपने सबसे कमजोर बच्चों को सबसे अधिक स्नेह करती है उसी प्रकार हमें भी अपने उपेक्षित बन्धुओं की सेवा करनी चाहिए। वात्सल्य ग्राम के सचिव जय भगवान अग्रवाल ने दीदी के एक नये प्रकल्प ''सांस्कृति महातीर्थ'' का उल्लेख किया। इस तीर्थ में भारतीय संस्कृति की समस्त मान्यताओं और परम्पराओं का वैज्ञानिक विश्लेषण प्रस्तुत किया जाएगा। दीदी माँ को परिषद् की ओर से दो लाख रुपये की राशि भेंट की गई। बी.के.मल्होत्रा ने आभर प्रदर्शन किया।

HONOUR TO FILM CITY BRANCH MUMBAI

Hon'ble Governor of Maharashtra Shri Vidya Sagar Rao has very kindly appreciated BVP Film City branch of Mumbai for their skill development programme. He confirmed that the branch has initiative 50 youths to support for skill development. Hon'ble Governor has encouraged to supporting the prime minister skill India Development. He appreciated the plan for training another 250 youths in this mission.

Bharat Vikas Parishad

BUILDING BRAND BVP

I. Use Standardized Procedures

- **Parishad's Logo** – To be used only in black and white
- **Parishad's Name**: Standardized writing of "Bharat Vikas Parishad" in upper-lower type while writing in English (**NOT** in capitals)
- **Bharat Mata picture** to be used as available on the website at: **http://www.bvpindia.com/logo_bvp01.htm**
- **Letter masthead** of the Prant / Branch should always be in bhagwa / saffron colour.
- **Tagline**: Using our Tag Line extensively - **''स्वस्थ्य-समर्थ-संस्कारित-भारत <>Swasth–Smarth – Sanaskarit Bharat**"
- Parishad's **flag** as prescribed for use on all India functions only
- Posture while taking **oath** – simply in standing position

II. Prants to use email address allotted by the Central Office

In order to ensure proper communication and collaboration, the Prants may :

(a) either use the **email allotted by the Central Office** in bvp domain name (e.g. prant@bvpindia.com)

(b) or choose their own **permanent email address** and get it registered with the Central Office.

III. Provide news for publication in Niti for expeditious submission through:

(a) email to **niti@bvpindia.com** or

(b) uploading on Parishad website.

IV. One Permanent Project - One Photograph : Branches / Prants to please provide one photograph for each of their permanent projects.

V. Branch Contact Details : All Prants to please forward list of **Presidents / Secretaries /Treasurers of Branches**, along with their contact details (e.g. phone / mobile no. and email address – no postal addresses) for displaying on the website.

VI. YouTube Channel: Request all members to subscribe to the Channel for videos through link on Parishad's website: **www.bvpindia.com**

VII. Blood Donation: Request all members to register as blood donor on www.bvpbloodhelpline.org.

-Prakashan

राष्ट्र भाष का सम्मान

सुप्रसिद्ध भाषाविद् डॉ. रघुवीर अनेक भाषाओं के ज्ञाता और इतिहास के जानकार थे। अपने फ्रेंच प्रवास में वे फ्रांस के राजवंश के परिवार में वास करते थे। उस परिवार में ग्यारह वर्ष की एक बालिका डॉ. रघुवीर को अंकल कहकर बड़ा स्नेह करती थी। एक बार डॉ. रघुवीर के लिए भारत से एक पत्र आया। बालिका ने सोचा कि देखे भारत की भाषा लिपि कैसी है। आग्रह करने पर डॉ. रघुवीर ने बालिका को वह पत्र दिखाया। पत्र देखकर बालिका उदास हो गई और बोली यह तो अंग्रेजी में है। क्या आपके देश की कोई भाषा नहीं है। बालिका ने उदास भाव से माँ को यह सब बताया। दोपहर भोजन के समय वह उदास रही। भोजनोपरान्त गृहस्वामिनी ने कहा डॉ. रघुवीर, आगे से आप किसी और स्थान पर रहा करें। जिसकी कोई अपनी भाषा नहीं होती हम फ्रेंच लोग उसे बर्बर कहते हैं और उनसे कोई सबंध नहीं रखते।

औरैय्या (ब्रह्मावर्त) : शाखा द्वारा नेकी की दीवार का संचालन।

Puri (Odisha) : Branch organised blood donation Camp.

Chennai (Tamilnadu) : Branch organised "Cancer Detection Camp.

राजस्थान उत्तर पूर्व : प्रान्त द्वारा अन्तरविद्यालरय हिन्दी वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन।

पटना (दक्षिण बिहार): विकलांग स्वास्थ्य केन्द्र पर मरीज वार्ड के उद्घाटन के अवसर पर परम पूज्य सरसंघचालक रा.स्वं से. माननीय मोहन भागवत जी का मार्गदर्शन।

समृद्धि मुजफ्फरनगर (हस्तिनापुर : शाखा द्वारा सामूहिक सरल विवाह का आयोजन।

देश की वामपंथी मीडिया के कुचक्र से सावधान रहना होगा।

यह कैसी विडम्बना है कि संचार माध्यमों के इस युग में जब सभी देशों के संचार माध्यम अपने देश की विशेषताओं तथा उपलब्धियों को प्रचारित करने की मुहिम चलाते हैं। भारत के प्रतिष्ठित संचार माध्यम जनता का मनोबल तोड़ने वाले, देश के उज्ज्वल भविष्य को कमतर आंकने वाले समाचारों को बढ़ा-चढ़ा कर जनता के लिए परोसते हैं।

वैश्विक स्तर पर भारत की प्रसिद्धि, नेतृत्व की स्वीकृति और आर्थिक क्षेत्र की उपलब्धियाँ हो अथवा आंतरिक सुरक्षा, आर्थिक कदाचार पर रोक, व्यापारिक, ईमानदारी, टैक्स प्रवचन का निषेध आदि विषयों को जन विरोधी बताते हुए मीडिया पेनल डिस्कशन की भेंट चढ़ा देता है। वास्तव में यह राष्ट्र विरोधी ताकतों को अस्तित्व के लिए संघर्ष जैसा विषय है। गो तस्करों के अत्याचार जैसा विषय अल्पसंख्यकों के प्रतिशोध का कारण बनता है। केरल और बंगाल में अल्पसंख्यकों का तुष्टिकरण और हिन्दू समाज के प्रति हिंसात्मक विरोध के कारनामे भी मीडिया की नज़रो से दूर रहते हैं। विद्यार्थी परिषद् कार्यकर्ता की हत्या, वामपंथियों द्वारा भाजपा कार्यालय पर आक्रमण, बंगाल में सरस्वती पूजा का पंडाल जलाने की घटना वामपंथी मीडिया की नजरो में नहीं आती। कुछ आता है तो मुजफ्फरनगर में दलित की पिटाई मुख पृष्ठ की खबर होती है। वहीं मेवात में 7 दलित परिवारों की पिटाई कोई खबर नहीं बनती क्योंकि घटना का अंज़ाम देने वाले लोग अल्पसंख्यक वर्ग के हैं।

2019 बहुत दूर नहीं है। राष्ट्रवादी सरकार की उपलब्धियों को कम आंकना और वामपंथी दलों के अस्तित्व के संघर्ष का यह अंतिम अवसर है। मीडिया के भरपूर दुरुपयोग, हिंसात्मक घटनाओं पर विवादित और एकतरफा प्रतिक्रिया के द्वारा राजनैतिक शुचिता को धूमिल करने के सभी प्रयास किये जाएंगे। आवश्यकता है सही परिप्रेक्ष्य, सही जानकारी, घटना का सही विश्लेषण करते हुए राष्ट्रवादी ताकतो को मजबूत करें और राष्ट्र विरोधी हौसलों को पस्त करने में एक जुट हो।

-नीति डेस्क।

LEADERSHIP IN NGOS – SOME ESSENTIALS

The ability of individuals to influence the behavior of others is known as leadership. It is the ability to build confidence and zeal among people and create an urge in them to be led. Hence a leader is one who conducts and acts as a guide to others in action or opinion. Some general qualities are essential for a leader, whether he is in politics, business or is leading a labor union. Capacity to take quick decisions, ability to communicate clearly and effectively with his followers and introducing new ideas in the working of the organization are some of the qualities required to a leader.

Leadership in an NGO: But leadership in an NGO is somewhat different from other fields. In a voluntary organization, effective leadership does not depend on positive; it depends on the respect one can command. NGO consists of people who join the organization for voluntary work and not for any gain. According to Swami Vivekananda, sacrifice, selflessness, and total absence of the ego are the essence of such leadership.

In addition to the above, the leadership of an NGO should have the following characteristics:

- **Shared Vision** – An NGO is born in the vision of its founder (s). The vision should be shared by every member of the organization. Here compliance is the result of an inspiring and motivation leadership which gets extra ordinary performance out of ordinary people.
- **Integrity and Mutual Trust** – The foundation of leadership in an NGO consists of honesty, truthfulness, and straight dealings and not of machinations and manipulations. Integrity promotes mutual trust.
- **Partnership** – Every organization, especially an NGO, is founded upon teamwork. Here all are active participants in the process of leadership or we can say it should be a shared leadership.
- **Delegation** – Another essential quality of the NGO leadership is to understand and practice the art of delegation. Delegation is the process of distributing work among his colleagues. While delegating, the leader should be careful in choosing the persons for particular tasks, keeping in mind their capacity and aptitude.
- **Always remain a Leader – Do not Become a Boss** – The aim of NGO leadership is to serve the poor and not to assert one's authority. Remember, to serve man is to serve God. **- Suresh Chandra**, Advisor, Gyan Prabha

छाबड़ा, राजस्थान दक्षिण पूर्व : शाखा द्वारा राजस्थान स्वास्थ्यचल इकाई केन्द्र के सहयोग से विशाल नेत्र एवं शल्य चिकित्सा शिविर सम्पन्न हुआ। शिविर का उद्घाटन जिलाधिकारी श्री एस.पी. सिंह ने किया। भ्रमणशील शल्य चिकित्सा इकाई जयपुर के प्रभारी डॉ. मुकेश चन्द्र जैन, डॉ. के.जी. सिंघल, चेयरमैन पिंकी साहू उपस्थित रहीं। शिविर के दानदाता श्री जय नारायण हल्दिया, नाथूलाल अग्रवाल, हिम्मत सिंह सिंघवी, मनोज गालब आदि का सम्मान किया गया। दो दिवसीय शिविर में 13000 मरीजों का पंजीकरण तथा परीक्षण एवं दवा वितरण किया गया। इनमें 105 ऑपरेशन योग रोगी, 60 ऑपरेशन महिला रोगी, 125 नेत्र रोगी ऑपरेशन का चयन किया गया। नेत्र रोगियों के ऑपरेशन बारां चिकित्सालय में जयपुर के नेत्र रोग विशेषज्ञों द्वारा किये जाएंगे। 14 दिव्यांगों के उपकरण प्रदान किये गये। रोगियों में पथरी, पित्त की थैली हर्निया, मस्सा, भंन्दर, रसौली, कालापानी, पलकबंदी, बांझपन तथा स्त्री रोगों के इलाज किया गया। चिकित्सा शिविर में श्री कन्हैयालाल, ताराचन्द, ओम प्रकाश तिवारी, श्रीमती संजू लोधा, योगेन्द्र जिन्दानी, पंजाबीसमाज, इनर व्हील, प्रगति क्लब ने भरपूर सहयोग किया। सचिव पंकज गालव, मनोज गर्ग, कमलेश सोनी सहित शाखा की पूरी टीम ने व्यवस्था संभाली।

सुभाष कोटा : शाखा द्वारा शैल्वी हॉस्पिटल में हड्डी रोग एवं जोड़ों के लिए चिकित्सा शिविर लगाया गया। 200 रोगी पंजीकृत हुए। दीपक गुप्ता, डॉ. आई.पी. अग्रवाल ने सहयोग किया। शिविर मनस अस्पताल में आयोजित हुआ।

भगतसिंह कोटा : नाहर सिंह माता मंदिर धर्मपुरा में नेत्र शिविर लगाया गया जिसमें 75 लोगों की नेत्र जांच तथा मोतियाबिन्द ऑपरेशन हेतु चिन्हित किया गया। मनोज कोठारी, पुरुषोत्तम खण्डेलवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

मानटाऊन-स्वाई माधोपुर, राजस्थान पूर्व : शाखा द्वारा विशाल नेत्र शिविर में 600 रोगियों का परीक्षण किया गया। इनमे से 210 मरीजों का ऑपरेशन कि लिए भेजा गयां मुख्य अतिथि संसदीय सचिव जितेन्द्र सिंह रहे। शिविर की प्रशंसा की।

किशनगढ़, राजस्थान मध्य : शाखा द्वारा रूपचन्द्र प्रधान का नेत्रदान आई बैंक सोयायटी द्वारा सम्पन्न किया गया। प्रदीप जी, गोपाल जी, पवन प्रणन द्वारा प्रेरणा के लिए बधाई। स्वर्गीय भगवती देवी पत्नी श्री जेठानन्द के निधन के पश्चात आयुर्विज्ञान संस्थान अजमेर में देहदान किया गया। डॉ. धर्मेन्द्र नागपाल ने देह प्राप्त की।

सांचोर, राजस्थान पश्चिम : भारत विकास परिषद् चेरिटेबल ट्रस्ट सांचोर द्वारा संचालित प्राथमिक हॉस्पिटल द्वारा 833 दिव्यांगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर नि:शुल्क दवा उपलब्ध कराई गई। फिजियोथेरिपी सेन्टर द्वारा जनवरी माह में 554 मरीजों को सेवा प्रदान की गई।

जगराँव, पंजाब पश्चिम : शाखा द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शाखा पदाधिकारियों एवं युवा रक्तदाताओं का उत्साह प्रेरणादायी रहा। कुल 84 यूनिट रक्तदान हुआ। जिला प्रभारी अरुणा पुरी ने शाखा के उत्साहवर्धन किया।

प्रयाग : शाखा द्वारा हरि चैरिटेबल आई केयर सेन्टर के सौजन्य से नि:शुल्क नेत्र परीक्षण एवं ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया गया। प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. आर. एन.मिश्रा, नवीन मिश्रा, डॉ. व्यास तथा डॉ. पन्ना मिश्रा के सहयोग हेतु सम्मानित किया गया। अध्यक्ष डॉ. उमेश प्रताप सिंह ने गुणवत्ता युक्त शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में संस्थाओं की पहल आवश्यक है। संयोजक डॉ. जी.के. मिश्रा ने टीम को धन्यवाद दिया।

कायमगंज, ब्रह्मावर्त : शाखा द्वारा अग्रवाल धर्मशाला में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शाखा की युवा टीम के पदाधिकारियों ने 70 यूनिट रक्तदान किया। 7 महिलाओं ने भी रक्तदान किया। राम मनोहर लोहिया अस्पताल की टीम ने रक्तदान में सहयोग किया।

संदीपनि, उज्जैन, मध्य भारत पश्चिम : शाखा द्वारा नेत्र परीक्षण एवं ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 135 मरीजों की जांच की गई। ऑपरेशन पश्चात मरीजों को नि:शुल्क चश्में बांटे गये। अध्यक्ष प्रमोद जैन ने बताया कि शिविर छोटी मायापुरी स्थिति रामेश्वर हनुमान मंदिर में सम्पन्न हुआ। संयोजक राजेश गर्ग रहे।

धामनोद, मध्य भारत दक्षिण : पतितपवनी मोक्षदायिनी माँ नर्मदा के तट पर भारत विकास परिषद् धामनोद शाखा व एक स्थानीय ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में एक स्टील का शवदाह फ्रेम स्थापित करवाया। शाखा अध्यक्ष विजय नामदेव ने बताया फ्रेम के निर्माण से शवदाह के दौरान लकड़ी का प्रयोग कम व व्यवस्थित तरीके से होता है। कार्य में सचिन यादव, सचिव व अन्य सदस्यों का सहयोग रहा।

भिण्ड, मध्य भारत उत्तर : शाखा द्वारा आयोजित गिर्राज पैलेस में जोड़ प्रत्यारोपण शिविर का उद्घाटन जिला कलेक्टर इलैया राजा टी ने किया। डॉ. हेमन्त मंडोरा, डॉ. अनुपम गुप्ता हड्डी रोग विशेषज्ञ तथा डॉ. विपिन जैन ने मरीजों का परीक्षण किया। परिषद् पदाधिकारी डॉ. विनोद सक्सैना, डॉ. हिमांशु बंसल, डॉ. साकार तिवारी, श्रवण कुमार पाठक आदि ने भरपूर सहयोग किया।

पटना विकलांग न्यास, दक्षिण बिहार : पहाड़ी स्थिति पटना विकलांग केन्द्र में मरीजों के लिए निर्मित नवीन वार्ड एक चिकित्सा कक्ष का शुभारंभ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन राव भागवत द्वारा सम्पन्न किया गया। न्यास में कक्ष का निर्माण पूर्व ट्रस्टी डी. एन. माथुर की स्मृति में कराया गया। समारोह में पदम् भूषण डॉ. बिन्देश्वरी पाठक ने पाँच लाख रुपये देने की घोषणा की। इस अवसर पर श्री पाठक, डॉ. एस.एस.झा तथा डॉ. शाह अद्वैत कृष्ण बाल रोग विशेषज्ञ को सम्मानित किया गया। न्यास के अध्यक्ष देश बन्धु गुप्ता ने स्वागत किया। संचालन बिमल जैन ने किया।

बिहार उत्तर, मोतिहारी शिवम् : शाखा द्वारा गोद लिए ग्राम अमवाँ का निरीक्षण प्रकल्प राष्ट्रीय चेयरमैन अशोक जाधव एवं राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री जी.पी.सिंह द्वारा किया गया। उक्त योजना के अन्तर्गत पदाधिकारियों द्वारा गाँव में 13 हैंड पम्प की बोरिंग, स्वामी विवेकानन्द द्वार, वृक्षारोपण, मंदिर व चौक पर सोलर लाइट, नालों पर स्लैब, सिलाई व स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया गया। 30 सदस्यों की उपस्थिति में जगत नारायण प्रसाद संयोजक ने आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया और एक मुक्तिधाम की स्थापना का प्रस्ताव रखा जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। इस अवसर पर डॉ. सच्चिदानन्द पटेल व अन्य उपस्थित रहे।

धनबाद, झारखण्ड : शाखा द्वारा राजकमल सरस्वती मंदिर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 60 यूनिट रक्तदान हुआ। धनबाद ब्लड बैंक की टीम ने रक्त प्राप्त किया।

लुधियाना विकलांग ट्रस्ट, पंजाब पश्चिम : जनवरी माह में 5 शिविरों का आयोजन किया गया जिसमें 153 दिव्यांगों को कृत्रिम अंग, कैलिपर, ट्राईसिकिल, व्हील चेयर और हियरिंग एड बांटे गये। इस माह रंजीत कौर शिविर में आई जिनकी डायविटीज के कारण गैन्गरीन में पैर काट दिये गये थे। केन्द्र में घुटने के नीचे हल्का पैर लगाया गया। रंजीत कौर अब चलने में सक्षम है। ढ़ाई साल के बच्चा गुरकीरत सिंह के पैर का विकास नहीं हुआ था। केन्द्र ने उनके लिए विशेष डिजायन का पैर बनाकर लगाया।

Tejaswini, Prayag : A "Free Medical Camp" was organized at Musapar village of the area by Tejaswini branch for Free Consultation and Medicines by the doctors. Besides, 150 blankets, woolen clothes, school dresses etc. were also distributed. Ramit Kumar, IG Allahabad range, was the chief guest. Pavan Kumar, SDM, Harshit Kumar, Director Doordarshan were also present. Dr. Savita Agarwal, Branch President thanked Nisha Jaiswal, General Secretary Prayag Prant and all the distinguished Guests present there.

NE Region sends its report with regards to BVP activities. In the whole region only 44 districts have BVP activities. It will be expanded in 61 districts in 2018-19. Membership will be increased from 1046 to 1228 and branches growth is 15 to 32. 96 Viklang Beneficiaries, Banbasi help with 560 garments. Eye screening for 1117 patients. Blood Donation Camp 7 with 83 units. About 2119 patients were given medicine free of cash.

Dibrugarh, Assam : The branch organized total of four "Eye Camps" at different places of the

district in the last three months. With the support of District Blindness Central Society, medicines and near vision spectacles were distributed to poor patients. 105 persons were screened for cataract operation and were referred to Assam Medical College for free surgery. Kamal K. Ghose, Secretary and Dipak K.Chanamai, President of branch rendered thanks to all BVP members and associates.

Karimganj : 32nd "Limb Delivery Camp" was organized at Karimganj College, Karimganj. 21 Physical challenged persons living below poverty line were fitted with artificial limbs and calipers. Mrinalkanti Dutta, Nepal Krishna Dhar, Anup Kumar Banik served the patients along with doctors and technicians.

Nandyal, A.P. : The branch after its inception organized a Viklang Detection Camp. 30 persons were identified to fit the limbs. A Blood Donation Camp was organized where 27 units of blood were collected. Dental Checkup and Awareness Camp was conducted with the assistance of Dr. Kishore Kumar and Dr. Sai Kumar, In. B.K.Jano Competition Guru Raja English Medium School was the winner. In NGSC where 12 institutions participated, Keshav Reddy English School won the trophy. Shri Samala Sree Ranula, Retd. Education Officer and Maulati were felicitated on the eve of GVCA. Heart awareness programme was organized for preventive care and precautions to be taken for heart problems. The branch is conducting value based education programme and distributing preventive medicines for viral fever. Branch distributed medicines to 1935 students in 162 institutions, organized Shriniwas Ramanyan Jayanti, Savtri Bai Phule Jayanti followed by National Voters Day. Shri P.Janardhan Reddy Patron, Dr. Ramkrishna Reddy, Pabbu Bela Chandrudu, MVV Mohan Rao with Dande Dastagiri assisted in the programme.

Chennai, Tamilnadu : A "Cancer Detection Camp" was organized for women. 46 cases were screened. Women of weaker section of society attended the camp. Patients were very much satisfied by the services and facilities provided by BVP branch, reports Mrs. Kankan Janardhan.

salute/सलाम

समर्थ-लखनऊ (अवध प्रदेश) शाखा अध्यक्ष श्री शैलेश अस्थाना ने 77वीं बार रक्तदान किया। उन्हें सलाम। श्री अस्थाना ने 19 वर्ष की आयु से रक्तदान शुरू किया। हर 3-4 माह में डॉक्टरों की सहमति से रक्तदान करते है। लखनऊ में आवश्यकता पड़ने पर वे सदेव उपलब्ध रहते हैं।

राउरकेला (उडीशा) शाखा सदस्य श्री अनुपम गुप्ता ने 126वीं बार रक्तदान किया। उन्हें सलाम। हर 3-4 माह में डॉक्टरों की सहमति से रक्तदान करते है। रक्त की जरूरतमंदों पड़ने पर वे सव उपलब्ध रहते हैं।

पुस्तक चर्चा (सफलता के 300 सूत्र)

सिरसा के परिषद् उपाध्यक्ष इन्दर गोयल बीमा व्यवसाय में कार्यरत है। वे अनेक सेवा भावी संगठनों तथा कल्याण योजनाओं में सदैव सक्रिय रहते हैं। पिछले 3 सालों से एक सूत्र वाक्य उनकी स्मृति में प्रतिदिन आता है। भोर के समय उसको लिपिबद्ध करते हैं। ऐसे 300 सूत्रों की एक पुस्तक का प्रकाशन किया है। पुस्तक के कुछ सूत्र आपको समय-समय पर प्राप्त होंगे। लेखक की एक नई विधा में प्रस्तुत पुस्तक के लिए बधाई। - **सम्पादक**

आओ कुछ हंस लें-

1. **रमेश और सुरेश** दोनों भाई एक ही क्लास में पढ़ते थे।

   टीचर - तुम दोनों ने अपने पिता का नाम अलग-अलग क्यों लिखा।

   रमेश - मैडम आप कहोगे नकल मारी है, इसलिए।

2. **बेटा** - पापा मुझे 1000/- रुपये देना। मेरे सारे दोस्तों के अकाउण्ट है। मैं भी खुलवाऊँगा।

   पापा - बहुत अच्छा। कहाँ पर है एकाउन्ट।

   बेटा - सिगरेट की टूकान पर।

3. **टीचर** - इंसान वही है जो दूसरों के काम आवे।

   स्टूडेंट - पर एग्जाम में तो न आप खुद इंसान बनते हैं, और न हमें बनने देते हैं।

4. **टीचर :** स्टूडेंट से सेमेस्टर सिस्टम से क्या फायदा है, समझाओं।

   स्टूडेंट - फायदा तो पता नहीं पर बेइज्जती साल में दो बार हो जाती है।

5. **पत्नी** - आप मुझे रानी क्यों बोलते हो?

   पति - क्योंकि नौकरानी शब्द लम्बा हो जाता है।

   पत्नी : (गुस्से में) तुम्हें पता है कि मैं तुम्हें जान क्यों बोलती हूँ। पता नहीं।

   पत्नी - जानवर शब्द लम्बा हो जाता है इसलिए।

6. **मैनेजर** - तुम तो कहते थे कि तुम काम करते हुए कभी नहीं थकते।

   पर मैंने तुम्हे ड्यूटी पर दो बार सोते देखा है।

   गार्ड : बिल्कूल सही सर मेरे न थकने का यही राज है।

7. **एक डॉक्टर** ने नया क्लीनिक खोला।

   थोड़ी देर बाद एक आदमी आया। डॉक्टर ने अपने आपको बिजी शो करने के लिए टेलीफोन का रिसीवर उठाया और अपाइंटमेंट देने के अंदाज में बोलने लगा।

   फिर फोन रखने के बाद डॉक्टर, आदमी से बोला- हाँ बताइए। क्या हुआ।

   आदमी - बी.एस.एन.एल. से आया हूँ। बात खत्म हो गई हो तो फोन चालू कर दूँ।

8. **सोनू** - डॉक्टर साहब मेरा बेटा फ्लैट का चाभी निगल गया है।

   डॉक्टर - कितना समय हो गया।

   सोनू - 10 दिन हो गये हैं।

   डॉक्टर - इतने दिन कहाँ थे।

   सोनू - मेरे पास इस फ्लैट की एक और चाभी थी और आज वह भी गुम हो गई है।

9. **जब पहली** बार इंसान ने मछली का शिकार किया तो मछली ने इंसान को शाप दिया कि हे इंसान।

   तू भी एक दिन नेट में फंसेगा और बाहर नहीं निकल पायेगा।

   आज मछली का शाप सच हो रहा है।

नेत्रदान

सतना (विन्ध्य) श्री दिलीप गुप्ता सिद्धार्थ नगर निवासी का अपने पिता श्री मानिकचन्द गुप्ता मरणोंपरान्त श्री पुरुषोत्तम गुप्ता, श्री अशोक गुप्ता एवं संजय गुप्ता के सहयोग से नेत्रदान करवाया गया।

शास्त्रीनगर-मेरठ (हस्तिनापुर) श्रीमती विना अग्रवाल पत्नी श्री एस.के.अग्रवाल का मरणोंपरान्त डॉ. राजेन्द्र गुप्ता के प्रेरणा से आई बैंक मेडिकल कॉलेज, मेरठ को नेत्रदान करवाया गया।

सतना (विन्ध्य) श्री प्रदीप कुमार जैन की माता श्रीमती संतोष बाई जैन (93 वर्ष) का मरणोंपरान्त शोकाकुल परिवार एवं परिषद् के प्रेरणा से सद्गुरु नेत्र बैंक को नेत्रदान करवाया गया।

देवभूमि-हरिद्वार (उत्तराखण्ड पश्चिम) श्री हीरालाल बजाज (94) का मरणोंपरान्त श्री संजय बजाज, श्रीमती स्वीटी बजाज शोकाकुल परिजनों द्वारा हिमालयन हॉस्पिटल डौली ग्रान्ट के डॉ. अखिल के प्रेरणा से नेत्रदान करवाया गया।

किशनगंज (राजस्थान मध्य) श्रीमती इन्द्रा देवी बाफना का मरणोंपरान्त उनके परिजनो ने भरत शर्मा व कुलदीप शर्मा के प्रेरणा से आई बैंक सोसयटी को नेत्रदान करवाया गया।

बड़ौत (हस्तिनापुर) श्री वकील चन्द जैन का मरणोंपरान्त श्री विशाल वर्मा, योगी जी, प्रदीप जी, अतुल जी व विवेक जी के सहयोग से सुभारती मेडिकल कॉलेज मेरठ को नेत्रदान करवाया गया।

मुंगेर (दक्षिण बिहार) श्री राधेश्याम शुक्ला की पत्नी का मरणोंपरान्त IGMIS को नेत्रदान करवाया गया।

रोहतक (हरियाणा दक्षिण) श्री तिलक राज का मरणोंपरान्त श्री अशोक कुमार गुप्ता के सहयोग से हरियाणा राज्य नेत्र बैंक Pt. B.D.S.PGIMS को नेत्रदान करवाया गया।

भगत सिंह रोहतक (हरियाणा दक्षिण) शाखा सदस्य श्री ओम प्रकाश मित्तल ने पत्नी श्रीमती उषा मित्तल का मरणोंपरान्त श्री अशोक कुमार गुप्ता के सहयोग से हरियाणा राज्य नेत्र बैंक Pt. B.D.S.PGIMS को नेत्रदान करवाया गया।

बड़ौत (हस्तिनापुर) श्री वीर सिंह चौहान पुत्र उमराव सिंह का मरणोंपरान्त आई बैंक मेडिकल कॉलेज मेरठ को नेत्रदान करवाया गया।

बुलेट समाचार

- गोपालपुरा (असम) शाखा द्वारा सिविल अस्पताल में 12 मोतियाबिन्द ऑपरेशन रिाये गये।
- चुरु (राजस्थान उत्तर पूर्व) शाखा द्वारा 117 आई. ओ.एल. नेत्र ऑपरेशन सम्पन्न कराया।
- गन्नौर (हरियाणा दक्षिण) में बेटी बचाओ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।
- बालोतरा (राजस्थान पश्चिम) शाखा ने राजकीय स्कूल में स्वेटर वितरण किया।
- संदीपनि उज्जैन (मध्य भारत पश्चिम) शाखा द्वारा 153 नेत्र रोगियों की जांच तथा चश्मा वितरण किया गया।
- तोशाम (हरियाणा पश्चिम) शाखा ने ईट भट्टा मजदूरों को नि:शुल्क वस्त्र बांटे।

REGIONAL MAHILA SAMMELAN (HYDERABAD)

Keshav Memorial Institute Sardar Patel auditorium witnessed a grand Mahila Sammelan of Bharat Vikas Parishad. It was attended by 300 Mahila delegates from Telangana, Andhra Pradesh, Tamilnadu, Karnatak and Kerala. Chief guest of the Sammelan Justice L. Narsimha Reddy and guest of honour Smt. Bhagwati Mahesh Baldewa accompanied by Prof. Avinash Sharma - chairperson of Mahila and Bal Vikas graced the dais. Guest on the dais released a valuable and informative souvenir on this occasion. The whole proceedings were open for live telecast on YouTube. Patriotic songs and theme & dance were presented by school children. Earlier ladies collectively performed “Bonalu” - a worship dance to Durga, having Kallash on their heads. It was an attractive event. A souvenir “Bhartiya Mahila Vikas” was released on this occasion.

In the Second session B. Sunita Reddy, Dr. Laxmivani, Radhika Acharya, Dr. Tulasi Lata, S.Kamleswari and Geeta Nagi, Sujan Prabha presented their views on multidimensional topics connecting with girls and ladies, Sanskriti and nutrition, health care work life Balance, skill development, women empowerment, self-confidence etc.. Dr. Sharda Jain appealed that ladies should not be defensive. They should promote cultural values and involve in social welfare activities.

Dr. Debika Rani spoke on teenagers and adolescent problems. Smt. Satya Hanumasree explained about child abuse and child psychology. Smt. G. Sharda Gaur a renowned advocate addressed about role of law in women empowerment. All the speakers were felicitated after their speeches chairperson of Mahila and Bal Vikas Prof. Abinash Sharma, stressed about the expansion and leadership among women in BVP. She appreciated the contents for Mahila Sammelan and delivery of thoughts by learned speakers. Mrs. Sharma informed about the fabulous and well attended Mahila Sammelan of North Region where 3000 ladies attended the Sammelan. She asked to perform active role in BVP through Sanskar Projects and develop leadership among ladies. Dr. Nishitha Agarwal convenor of the event presented the fabulous enthusiasm among ladies for this Sammelan.

In the concluding session Shri Suresh Jain National Org. Secretary analyzed the Sammelan and gave a strong orientation for social service to all the delegates. He declared that there will be a good member of ladies in the coming years. Dr. Suresh Gupta Editor “Niti” recommended the delegates to manage events for social transformation and not for the sake of entertainment and joy. Shri Chinta Prakash ji conducted different session. Ashwini Subba Rao, Kashi Rao & Pandu Rangan Prant President, P.Shastri, Malgi, Shri Daulath Rao Regional president surprised and appreciated the attendance of delegates.

Geeta Negshri a versatile interpreter gave tips to come forward in the business and trade fields. She told about Mudra Yojna of Govt. of India.

Dr. Narshitha Agarwal Prantiya Mahila Pramukh planned the whole event in such a way that many women experts contributed in multifarious activities. She informed a new branch of working women is ready to start with sixty members have been enrolled so far.

हरियाणा दक्षिण, रत्न-रोहतक : शाखा द्वारा ग्राम करौथा के राजकीय विद्यालय में गणतंत्र दिवस पर ग्राम की मेधावी छात्रा कुसुम राणा ने ध्वजा रोहण कियाा। प्राचार्य डॉ. जिय बाला, सरपंच रणवीर सिंह, विजय गुप्ता, आत्म प्रकाश, के.सी.मित्तल के साथ छात्रों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। श्री महेश अग्रवाल एवं जे.के.जैन के सौजन्य से बच्चों को कॉपी, स्टेशनरी तथा जलपान कराया गया।

गुड़गाँव : शाखा ने होली मिलन कार्यक्रम में उत्साहजनक ढ़ंग से भाग लिया। श्री राम निवास गोयल, सचिव ने शाखा की आख्या बताते हुए कहा कि रक्तदान शिविर में 1200 यूनिट रक्त एकत्रित किये गये। भारत को जानो में 4 स्कूलों में प्रतियोगिता हुई। स्थानीय बंधवाड़ी आश्रम को 12000 रुपये की राशन भेजी जाती है। पाँच हजार जरूरतमंद एवं गरीब बच्चों में कॉपियाँ, रबड़ व पैन्सिल का वितरण किया गया। 50 कम्बल व 200 स्वेटर का वितरण किये गये। स्थानिय चिन्तापूर्ति मंदिर के सामने तिकोना पार्क में प्याऊ का निर्माण व 200 पौधे लगाये गये। स्वास्थ्य जांच शिविर से 200 लोगों ने स्वास्थ्य लाभ उठाया। पथमेड़ा (राजस्थान) गौशाला हेतु 50,000 रुपये की सहायता राशि भेजी गई। सदस्यों द्वारा रुपये 21000 सैनिक कल्याण कोष में जमा कराए गए।

हरियाणा उत्तर, सीवन : शाखा द्वारा 5 निर्धन कन्याओं का सरल विवाह सम्पन्न हुआ। विधायक कुलवंत बाजीगर ने निर्धन परिवारों की सहायता के लिए परिषद् की प्रशंसा की। बाबा नारायण द्वारा सत्संग भवन में आयोजित समारोह में सरपंच पवनदीप कौर, विक्रम मुंजाल, अनिता सुजाता की उपस्थिति रही। विवाह समारोह में डॉ. मंजू गर्ग, शीला, ममता, शालिनी, नीलम, बबीता, ममतेश, ऊषा, रेनू शर्मा, सपना वधवा ने समारोह एवं संस्कार विधि में भागीदारी की।

चण्डीगढ़, पश्चिम चण्डीगढ़ : चण्डीगढ़ पश्चिम जिले की परिषद् की सभी शाखाओं द्वारा संयुक्त रूप से मनाया गया। बच्चों द्वारा सुन्दर और मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। राष्ट्रीय महामंत्री अजय दत्ता तथा एच.आर नारंग, प्रान्तीय अध्यक्ष की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश, बुलन्दशहर विराट : शाखा द्वारा स्टेडियम में 60 वृक्ष लगाये गये। मुख्य अतिथि ग्रीन मैन विजयपाल बघेल तथा विशिष्ट अतिथि आत्म प्रकाश बाजपेयी, मुख्य पदाधिकारी बी.के. जैन वन अधि कारी, रमेश पाल, क्रीड़ा अधिकारी तथा सेंट योमिन स्कूल की 80 छात्राओं ने सहभागिता की।

सिकन्दराबाद संस्कार : शाखा द्वारा बाल संस्कार शिविर का आयोजन किया गया। इसमें लगभग 20 बच्चों ने भाग लिया। स्वस्थ मन, तन व विचार के संस्कार ग्रहण किये। सुनिता सक्सेना व माधुरी गर्ग ने गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में देशभक्ति गीत व भाषण प्रतियोगिता सम्पन्न हुए। भाषण में प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया।

हस्तिनापुर, मुजफ्फरनगर स्मृद्धि : शाखा द्वारा सामूहिक सरल विवाह के अन्तर्गत पूजा और भाँटी का विवाह सम्पन्न हुआ। संदीप जैन के साथ शाखा सदस्यों ने व्यवस्था करके गृहथी का सामान भेंट किया गया।

उत्तराखण्ड पश्चिम, अविरल गंगा, रुड़की : माननीय प्रधानमंत्री द्वारा संचालित 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' के तहत महिलाओं के आत्म सम्मान एवं उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए शाखा ने अनूठा प्रयास प्रारंभ किया। सुनहरा, मतलबपुर, गुलाबनगर, अम्बेडकर नगर, बस्ती आदि की किशोरियों को सस्ते अथवा नि:शुल्क में सैनेटरी नेपकिन उपलब्ध कराए। गाँवों की किशोरियों को गंभीर बीमारियों से छुटकारा दिलाने का प्रयास किया गया। शाखा सदस्यों के सहयोग से ग्राम मतलबपुरा में एक सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र चला रहा है। प्रशिक्षण केन्द्र में बची हुई कपड़ों की कतरनों से सैनिटरी, नैपकिन बनाए जाते हैं। अबतक 3000 से अधिक नैपकिनों का वितरण किया जा चुका है। इस पुनित कार्य हेतु अविरल गंगा शाखा को

साधुवाद

बुन्देलखण्ड, झाँसी मुख्य : शाखा द्वारा 2 निर्धन कन्याओं का विवाह सिद्धेश्वरनाथ मंदिर में आयोजित किया गया। धर्मचर्चा हरिओम पाठक ने नव दम्पति के विवाह संस्कार सम्पन्न कराये। महिला सदस्यों ने गीत, शोभायात्रा तथा सभी रस्मों को सम्पन्न करायें। श्री रमेश अग्रवाल, प्रो. एस.आर. गुप्ता, प्रदीप श्रीवास्तव, राजेश पाठक के साथ सदस्यों ने विवाह सम्पन्न कराया। रामा देवी, कृष्णा सक्सेना, इन्दिरा गुप्ता, सरिता अग्रवाल, प्रेम लता, रजनी, शोभा आदि उपस्थित रहीं। बिना माँ-बाप की बेटी नेहा और रूकमणी के विवाह पर गृहस्थी का आवश्यक सामान देकर विदा किया गया।

ब्रज प्रदेश, आगरा संस्कार : शाखा द्वारा 5 निर्धन कन्याओं का विवाह सम्पन्न कराया गया। सिल्वर पैलेस आगरा में सम्पन्न हुए समारोह में महापौर नवीन जैन, विधायक जमन प्रसाद गर्ग ने सहभागिता की। सामाजिक समरसता के उद्देश्य से आयोजित आयोजन में आगरा तथा निकटवर्ती जिलों के परिवारों ने भाग लिया। आगरा मुख्य शाखा के उमेश बंसल, मनोज अग्रवाल, सौरभ अग्रवाल ने भागीदारी की। पश्चिमी उत्तर प्रदेश श्री राजीव गोयल, इन्दू वार्णेष्य विशेष रूप से उपस्थित हुए। विवाह के पूर्व परिषद् की महिला सदस्यों ने श्रीमती वन्दना अग्रवाल के निर्देशन में मेंहदी तथा महिला संगीत करके समारोह को भव्यता प्रदान की।

सुरभि आगरा : स्थानीय बाल संस्कार केन्द्र, हनुमान नगर के बच्चों के साथ गणतंत्र दिवस मनाया गया। राजेन्द्र चौधरी, मुख्य अतिथि थे। सर्वप्रथम ध्वजारोहण किया गया। बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। शाखा सदस्यों ने मिष्ठान वितरित किये। वन्दना अग्रवाल, प्रान्तीय उपाध्यक्ष, सीता अग्रवाल, नीलिमा शर्मा, शाखा अध्यक्ष सहित अनेक महिलाओं की सहभागिता रही।

ब्रह्मावर्त, गोविन्द कानपुर : शाखा द्वारा मर्दनपुर ग्राम स्थित समाधा आश्रम में 6 निर्धन कन्याओं का विवाह सम्पन्न किया गया। वैदिक मंत्रों के साथ सम्पन्न हुए विवाह में 5 जोड़ों तथा निकाल के द्वारा एक मुस्लिम जोड़े का विवाह हुआ। समारोह में श्री सुरेन्द्र खन्ना, अजय नारायण अग्रवाल, हरीश बजाज, श्रीमती अनिला शर्मा, मोनिका कपूर ने नव दम्पतियों को गृहस्थी के लिए आवश्यक सामग्री प्रदान की। श्रीमती डिम्पल जुनेजा ने अध्यक्षता की।

कोशी बिहार, सिमरी बख्तियारपुर : शाखा द्वारा स्वामी विवेकानन्द जी की मूर्ति का अनावरण का अनावरण कुलपति डॉ. अवध किशोर राय के द्वारा सम्पन्न किया गया। इस अवसर पर स्कूली बच्चों तनूज, शामभवी, गौतम, तपिश और स्वीटी ने स्वामी जी के प्रसंगों पर विचार रखे। हिमांशु, प्रिंस आर्यन ने स्वामी जी पर लघु नाटिका प्रस्तुत की। रीया कुमारी का नृत्य सराहा गया। समारोह में श्री महेन्द्र नारायण सिंह, प्रमोद भगत, रितेश रंजन तथा नगरपालिका अध्यक्ष रोशन आरा ने भी संबोधित किया।

उत्तर बिहार, शिवम् मोतिहारी : शाखा द्वारा गोद लिए ग्राम अमवाँ का निरीक्षण राष्ट्रीय चेयरमैन अशोक जाधव, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री जी.पी. सिंह द्वारा किया गया। उक्त योजना के अन्तर्गत पदाधिकारियों द्वारा गाँव में 13 हैंडपम्प की बोरिंग, स्वामी विवेकानन्द द्वार, वृक्षारोपण, मंदिर व चौक पर सोलर लाइट, नालों पर स्लैब, सिलाई व स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया गया। 30 सदस्यों की उपस्थिति में जगत नारायण प्रसादश संयोजक ने आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया और एक मुक्तिधाम की स्थापना का प्रस्ताव रखा जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। इस अवसर पर डॉ. सच्चिदानन्द पटेल, रीजनल मंत्री (पूर्व), अंजनी कुमार चौधरी, राजेश्वर प्रसाद सिंह व अन्य उपस्थित रहे।

राजस्थान मध्य, बिजयनगर : शाखा द्वारा 11 फरवरी, 2018 को कृषिउपज मंडी स्थल बिजयनगर में श्री रतनलाल नागर के संयोजन में 30 निर्धन कन्याओं सहित तुलसी विवाह का आयोजन किया गया। गुलाबपुरा की शाखा से शालिग्राम का बारात लेकर आये नगरपालिका चेयरमैन ध नराज गुजर। नगर के भामाशाह श्रीमती चन्द्रकला गोकर्णा, योगेन्द्र सिंघवी, डॉ. कमलाजी गोखरु, देवेन्द्र राका, शिवनारायण नागौरी, रमेश चन्द्र शर्मा, अतुल कुमार नाथेड़ा आदि। नगर के प्रमुख भागों से शोभायात्रा। लगभग 4000 बारातियों की भोजन, जलपान व्यवस्था। स्कूली बच्चों की स्काउट टीम। वधू को गृहस्थी के आवश्यक सामान की भेंट। प्रशासन द्वारा विवाह पंजीकरण प्रमाण पत्र के साथ रुपये 15000/- का सरकारी अनुदान। फिल्म कलाकार गोपाल बंजारा की नाटिका बाल विवाह। चेयरमैन बिजया नगर, सचिव साकला। परिषद्

के उपाध्यक्ष पी.के.जैन, डॉ. सुरेशचन्द्र गुप्ता, मुकन सिंह राठौर, शान्ति लाल पानगड़िया, पूर्व विधायक किशन गोपाल कोगटा, धनराज नाहर मसौड़ा शाखा, राजेश सोनी अध्यक्ष, जितेन्द्र पीपड़ा सचिव की शाखा के 108 सदस्य। सदस्यों और महिलाओं का एक रंगी वेषभूषा। बड़े आकर्षण का केन्द्र रहा बिजयनगर का सरल विवाह। कैलाश अजमेरा और दिनेश कोगटा को हार्दिक बधाई।

राजस्थान दक्षिण, सुभाष उदयपुर : शाखा के वरिष्ठ सदस्य पद्मश्री सम्मानित ''श्रीमान् कैलाश जी मानव साहब'' को केन्द्र सरकार के नीति आयोग में स्वयंसेवी प्रकोष्ठ की ओर से कार्यकारी सदस्य समिति में मनोनित किया गया। शाखा द्वारा श्री कैलाश जी का हार्दिक अभिनन्दन व सम्मान किया गया।

मध्य भारत उत्तर, भिण्ड : शाखा द्वारा गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहण किया गया। तत्पश्चात् टीकरी ग्राम में स्वास्थ्य जागरूकता अभियान चलाया गया। संजय जैन, जिला विधिक अधिकारी मुख्य अतिथि रहे। महिलाओं व बच्चों को खाने-पीने की सामग्री वितरित कर सामूहिक राष्ट्रगान का आयोजन किया गया। मुक्तिधाम निर्माण योजना पर परिषद् के जन-जन में प्रशंसा हो रही है। स्वामी विवेकानन्द जयन्ती के उपलक्ष्य में चौधरी दिलीप सिंह कन्या महाविद्यालय में प्रान्तीय संयोजक प्रवीण कुमार पाठक ने अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि सभी सम्प्रदायों में सबसे बड़ा मानव धर्म हैं पीड़ित मानव की सेवा ही स्वामी जी का संदेश था। सच्चे हृदय से मानवता की सेवा को परिषद् का ध्यये बाते हुए स्वामी जी के दिखाये मार्ग के अनुसरण का संदेश दिया। कार्यक्रम में तीन छात्राओं शिवा, पूजा मिश्रा, अदिति भदौरिया ने स्वामी जी का जीवन परिचय दिया। डॉ. अनिल भटनागर, विद्यालय प्राचार्य डॉ. हिमांशु बंसल, डॉ. साकार तिवारी सहित अधिक संख्या में छात्र-छात्राएं परिषद् सदस्य उपस्थित रहे। स्थानीय प्रेस ने भी इस काय्र को कवरेज दी।

शिवाजी ग्वालियर : सरल सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया। 11 जोड़ों का विवाह कराया गया तथा उन्हें जरूरत का सभी सामान सहयोग स्वरूप दिया गया। लोहे की अलमारी, साड़ी, बर्तन इत्यादि सभी जोड़ों को दिया गया। डॉ. सुरेन्द्र प्रधान ने बताया कि इस कार्यक्रम हेतु लगभग 7000 व्यक्तियों से सम्पर्क किया गया।

असम, जोरहाट : शाखा द्वारा महिला सशक्तिकरण के अन्तर्गत 78 महिलाओं को माधौपुर टीटावोर आदि स्थानों पर मशरूप के बीजों का नि:शुल्क वितरण किया गया। मशरूम की खेती कर महिलाएँ रोजगार का साधन प्राप्त कर सकेगी। गोलपारा शाखा द्वारा नेत्र परीक्षण में चश्मों का वितरण किया गया। अनिल शर्मा के निर्देशन में बालाधमारी चार में गला, नाक, कान रोगों का परीक्षण तथा दवा वितरण हुआ।

दिल्ली उत्तर, श्रीगणेश-शालीमार बाग : शाखा द्वारा नगर निगम प्राथमिक स्कूल में गुरु वन्दन के अन्तर्गत 5 मेधावी छात्रों और शिक्षकों को सम्मानित किया गया। संयोजक एम.एल. गक्खड़ ने बच्चों को कठिन परिश्रम का संदेश दिया। संजीव मिगलानी ने बच्चों को निराश न होने तथा संस्कारों को जीवन में उतारने का संदेश दिया। उत्कृष्ट विद्यालयों में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम में रीजनल सचिव अर्चना सिंघल ने प्रकल्प का उद्देश्य बेटियों को आत्म निर्भर बनाना, उच्चतम शिक्षा, सुरक्षा, संस्कार देने के बारे में बताया। गीत, नृत्य प्रस्तुत किये गये। 20 बच्चों को सम्मानित किया गया। अध्यक्ष तिलकराज शर्मा ने कहा कि बेटी है घर-घर की शान, आओ बढ़ाएं इसका मान। प्रधानाचार्य प्रवीण पाठक ने आभार किया।

J&K, Jammu West : The branch organized a "Parivar Milan Program" at Sidhra. Arun Kumar Sharma Regional Secretary (North) was Guest of Honour. He deliberated in detail the functioning of the organization, its Sewa and Sanskar projects. Members participated in the discussion and rendered valuable suggestions. All members enjoyed scenic beauty of the spot and were served with sumptuous lunch. The branch also organized religious tour to Gujarat in which 13 couples participated.

Jammu : The branch organized B.K.Jano at Bakshi Nagar Vimal Public School. The competition was organized in every class. Winners were awarded by BVP.

Punjab West, Dr. Kitchlu Ludhiana : Branch organized a *Cultural Program* with 12 educational institutions - Darpan, Ek Prayas, Muskan etc. Dr. N.S.Malhi V.C. of Guru Kashi University told that the hardships of poor and needy students living in remote areas should be taken

care of. Shri Suraj Jyoti Convenor Swachta presided over the function. 50 shawls were distributed to needy children. 9 Polio patients were operated. Lohri and Republic Day were celebrated; reports Mrs. Sarita Agarwal Secretary.

Kashi Pradesh, Varanasi : Bharat Vikas Parishad Kashi and Banaras club organized a Car Rally to spread message for "Save Girl Child". Rally was flagged of by Rajmani Yadav D.M. Varanasi. Akansha Agarwal won the trophy, while Smt. Roli and Shruti Agarwal got the second & third place.

Odisha : The state conference of Odisha Prant was organized on 4th Feb. 2018 in Bhubaneswar and 350 delegates attended from 20 branches. Swami Sachidananda Saraswati inaugurated the conference. Dr. Ashok Mahapatra, Ex. –Director AIIMS joined as Chief Guest and graced the occasion. Eminent dignitaries across the Odisha state were present. Besides, Anupam Gupta – blood donor more than 126 times, families of body & eye donors were also present. They were felicitated by the Parishad for their kind social contribution. A new branch named 'Paradeep' was installed and charter presented by National VP, S.N. Panda. A Souvenir 'Sampriti', edited by Dayanidi Tripathy, was released.

Assam, Tejpur : The branch organized a workshop on "Menstrual Hygiene Management" and "Women's Health for Urban and Rural Women". Sikkim Relief Foundation provided the assistance. Shri Ravi Tyagi Convenor told that the workshop at Solangaon Goreimari was a great success. One Eye Camp was organized with the help of District Blind Control Society at Tekela Chiring Motarigaon Dibrugarh. The branch celebrated 155th Anniversary of Swami Vivekanand at the conference hall of NACE, Tezpur. Dr. R.N.Pai, coordinator of Vivekananda Kendra graced the occasion as guest speaker.

Kerala, Ernakulam : Branch is dedicated for the cause of "Toilet Free India". Branch office bearers are creating awareness for the use and construction of the toilets in each and every home. Shri P. Venkata Chalam reported that State Bank of India has kindly given a cheque of Rs. 25 lakh for the construction of toilets in rural areas. Toilets will be constructed at T.D.High School Mattan Cherry -10, Vananjambalam -5, and Puthuvype -5. Thanks to BVP Ernakulam.

Gujarat Central, Paldi Ahmedabad : Bharat Vikas Parishad Paldi Ahmedabad fitted two Hi-tech artificial limbs (Hand). These hands work with our nerve system. When the brain gives the signals the hand starts working. This latest technology costs 1.5 lakh to 2 lakh.

Karnataka North, Belgaum : Branch organized Viklang Sahyata function on 4th March 2018 wherein 20 beneficiaries received equipment. Shri Jayant Humberwadi, President Jaybharat Foundation, was the chief guest and CA NV Shivangi was guest of honour. Convenors Dr. Yelburgi & Shri N.B. Deshpande were also present.

AN INITIATIVE FOR LIFE SAVING KIT

In a talk delivered on prevention of heart disease, Dr. Kayani introduced a handy kit which may protect a person from dying of sudden heart attack. It contains:

(1.) Disprin Tab - 4, (2.) Angisid Tab- 4, (3.) Deponit – NT5 Skin Patch

If a person feels sudden lightness and pain in the center of the chest, radiating to left arm or both side of neck accompanied by sweating and uneasiness, one is likely to be in the state of Heart Attack. Following measures must be taken immediately:

1. Keeping one Angised tab under the tongue
2. Chewing one Disprin tablet.
3. Pealing of and sticking the Deponit skin patch on the left side of the chest. The patch should be applied to unbroken, clean and dry skin that is smooth and with few hairs.

(A) Items of the kit costs Rs. 50/- only. It can save a person dying immediately of heart attack.

(B) Every individual above 40 always carry a kit inside the bag.

-**Dr. A.M. Kayani (Cardiologist)**, Pakistan

स्वच्छता-एक अभियान

स्वच्छता भारत की प्राचीन परम्परा रही है। इस परंपरा के अनुरूप ही ऐसी व्यवस्था विकसित की गई थी जिससे भारतीय समाज प्राकृतिक भाव से पर्यावरण अनुकूल था। सिन्धु घाटी सभ्यता में शहर नियोजन वास्तुशास्त्र के प्रमाण पाए जाते हैं। एक रेखा में बने मकान, शुद्ध हवा का आवागमन, मकानों के बाहर नालियाँ कहीं न कहीं ढ़ांचागत शहरी नियोजन में स्वच्छता की द्योतक रहीं।

प्रारंभ में भारतीय संस्कृति में शौच व्यवस्था आंतरिक थी। कालांतर में 'खुले में शौच'' का चलन रहा। मध्यकालीन युग में आक्रमणों के बाद पुनः शौचालयों को पुनः मकानों के अंदर बनाए जाने लगा किनतु ऐसे शौचालयों में स्वतः मल-निस्तारण की कोई व्यवस्था नहीं होती थी। अतः उन शौचालयों में मनुष्यों के मल को मनुष्यों से उठवाकर निस्तारण कराया जाता था। इस घृणित प्रथा की शुरूआत से शौचालयों व स्वच्छता का व्यवस्थित ज्ञान रखने वाले भारतीय समाज में छूआ-छूत के साथ एक अस्पृश्य व अस्वस्थ वातावरण का प्रादुर्भाव हुआ। साथ ही सभी बस्तियों, नगरों के अन्दर कूड़े के ढ़ेरों ने अनेक बीमारियों व महामारियों को निमंत्रण दिया।

स्वच्छता से सेहत और समृद्धि आती है, गाँधी जी वखूबी जानते थे आप मल-मूत्र, अपशिष्ट कचरा प्रबन्धन की सीख के साथ-साथ आप अस्पृश्यता के धुर विरोधी रहे। छुआ-छूत खत्म करने हेतु 'ठोस मैला ढ़ोना' जैसी प्रथाओं को समाप्त करने के सरकारों ने भरसक प्रयास किये। मैला ढ़ोने, खुले में शौच तथा कचरा प्रबन्धन जैसी तीन मौलिक समस्याएँ भुखमरी व गरीबी से जूझती स्वतंत्र भारतीय अर्थव्यवस्था को विरासत में मिली। स्वतंत्र भारत की सरकारों ने इस दिशा में कदम उठाए।

भारत में हाथ से मैला साफ करने के कार्य को सरकारों ने गंभीरता से लेते हुए इस कार्य पर प्रतिषेध लगाया साथ ही मैला ढ़ोने वाले ''मैनुअल स्केवेंजर्स' के पुनर्वास की व्यवस्था की। इस दिशा में सफाई कर्मचारी नियोजन और शुल्क शौचालय प्रतिषेध अधिनियम 1993 तथा बीस वर्ष बाद हाथ से मैला, सफाईकर्मी कार्य का प्रतिषेध एवं उनका पुनर्वास अधिनियम, 2013 सरकार द्वारा लागू किया गया। साथ ही 'मैला ढ़ोने' की प्रथा तथा उनके पुनर्वास हेतु अनेक नीतियाँ बनी व सफल निष्पादन हुआ। सामाजिक न्याय, समरसता व समभाव हेतु यह एक सफल प्रयास रहा। हाल ही में कोच्चि, केरल स्थित भारत विकास परिषद् को तीन स्थानों में 20 शौचालय बनाने हेतु भारतीय स्टेट बैंक ने 25 लाख की सहयोग राशि प्रदान की है। सम्पूर्ण टीम के लिए साधुवाद।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अन्तर्गत 'खुले में शौच मुक्त' गाँव का प्रमुख लक्ष्य रखा गया है। इन दिशा निर्देशों में मानव अपशिष्ट को खुले में मख्खी, जानवर, बदबू वातावरण से दूर तथा जल व मिट्टी के प्रदूषण से मुक्त निपटान के निदेश दिए गए हैं। प्रचार, प्रसा, सरकारी व गैर-सरकारी सहयोग से गाँव-गाँव शौचालयों के निर्माण की लहर चल उठी है। उल्लेखनीय है -

जहाँ मानव द्वारा 'मैला ढ़ोने' पर विशेष सफलता प्राप्त की जा चुकी है वहीं 2 अक्टूबर 2014 से प्रारंभ 'स्वच्छ भारत अभियान' (ग्रामीण) के अन्तर्गत शौचालय निर्माण तेजी पर है।

गत 70 वर्षों में अनेक शहर कचरा प्रबन्धन एक निष्पादन की जटिल समस्या से जूझ रहे हैं कचरे को उसके स्रोत पर निष्पादित किया जाए अन्यथा कचरे से भरी आधी अधूरी नगपालिकाओं की गाडियाँ शहर भर में प्रदूषण फैलाती हुई निकटतम लैंड फिल तक जाती है। वह कचरा निष्पादन की जगह कचरा हस्तांतरण की घटक है। प्रायः लैंड फिल में कचरा जलाकर वायु प्रदूषण व भूमि प्रदूषण बढ़ाया जाता है। घर, स्कूल, ऑफिस, दुकानों, अस्पतालों के साथ-साथ खेतों का कचरा 'पराली' मानव जीवन की चुनौती बन चुका है। कचरे का आधुनिक तकनीक के सहारे कुशल प्रबंधन ही वायु, जल, भूमि प्रदूषण निमंत्रित कर विनाश रोक सकता हैं इस दिशा में तीन बिन्दु प्रमुख है :-

एक - कचरे का निष्पादन स्रोत या उसके निकट हो

दो - जैविक करचे विशेषकर पेट्रोलियम प्रोडक्ट के उत्पादन में प्रयोग किया जाए। जेसे इशनॉल इत्यादि। विदेशों में

इस प्रकार के प्रयोग व पाइलट प्रोजेक्ट प्रारंभ हैं ऐसी तकनीक का प्रयोग भविष्य के लिए क्रान्तिकारी कदम होगा।

तीन – शहर के शेष कचरे को कम्पोस्ट खाद में बदलने हेतु कुछ प्रायोगिक स्तर पर कार्य सम्पन्न हो रह हैं। चुम्बकीय तकनीक पर आधारित इस जापानी विधि से एक टन कचरे को 3 किलो कम्पोस्ट में बदला जा रहा है। इससे कूड़े के पहाड़ (लैड फिल) भी खड़े नहीं होंगे तथा पर्यावरण को कोई नुकसान नहीं। पत्थर, काँच व लोहा छोड़ शेष पदार्थों को 300सी पर तपाकर यह यंत्र कम्पोस्ट में बदलता है।

जहाँ मानव द्वारा 'मैला ढ़ोने' पर देश को विशेष सफलता प्राप्त हुई है, 'खुले में शौच' के खिलाफ मुहिम सरकार ने तेजी कर दी है। प्रधानमंत्री जी ने 2 अक्टूबर, 2014 से 'स्वच्छ भारत' अभियान चलाकर नई दिशा प्रारंभ की है। वहीं 'कचरा प्रबन्धन' के विषय आज भी हाशिये पर है और नित नये प्रदूषण बढ़ा रहा है। 'हरित क्रान्ति' व 'सफेद क्रान्ति' का अनुसरण करते हुए किसी विचारक व मार्गदर्शक को 'कचरा प्रबन्धन क्रान्ति' का ध्वजधारक बनना होगा। भारतीय ग्रामीण व शहरी कचरा प्रबंधन को सुनिश्चित करना होगा। – **नीति डेस्क**

USING CSR FOR BVP WORK

Corporate Social responsibility (CSR) is virtually a commitment that every industrial house has to own. Industrial house products are acknowledged by the public to earn them profit. If the public do not accept the products, they cannot earn profit. With this nod concept of CSR is developed.

In South Korea big companies like LG, Samsung make contributions for tourist locations, public conveniences and road side parks. During my foreign visits I found Asahi, a company of Japan is maintaining center for welfare of disabled. In Switzerland many routes are maintained by watch manufactures. In short, CSR is contributing for national development and infrastructural fields.

In India the scheme of CSR is applied and govt. policy is available on website "finance.bih.nic.in/documents/csr-policy.pdf". In golden age, wealthy persons used to make roads, Dharamshalas, wells and schools. Our ancient books, like *Vedas* and *Upnishads,* suggest to contribute 10% of income towards social cause.

A) Bharat Vikas Parishad (BVP) should takes up CSR as a priority. Our members should learn art of collecting funds from industry barons in the name of CSR. Now, we should also know the areas for which funds need be collected from industrial houses. Suggested below are the areas for which CSR funds should be collected:

1. Development of energy saving devices (Solar light panels for villages in remote areas, street lights, windmills, micro hydro power, geothermal energy etc.)

2. Providing LED light devices to small businessman (they are sometimes biggest consumers of electricity due to ignorance), temples, place of religions importance, tourist places.

3. Providing toilets for school girls and boys.

4. Making public conveniences along road sides, highways.

5. Thinking of innovative technologies for development of rural women.

B) It is suggested that every shakha (of BVP) should have a special person, called Sanyojak (CSR) on board, whose job shall be fund raising only through CSR initiative. Such donor companies should also be invited to shakha meetings to deliver talks. Their directors should be honoured in shakha meetings and prant meetings. The contribution offered by Donor Company should be highlighted publicly through hoarding, NITI magazine and media publicity. Therefore role of director (CSR) is more important for such nations. There should be separate training session for sanyojak (CSR) in prant level functions.

C) Hence it can be concluded that collection of funds through CSR is need of the hour for each shakha for doing still more effective service for the society. -**Dr. Satyendra Mittal**, Deptt. of Civil Engineering, IIT Roorkee,

भारत विकास परिषद्

सामूहिक सरल विवाह-सामाजिक समरसता का एक प्रयास

देश में बढ़ती उपभोक्तावादी संस्कृति एवं जीवनशैली में समान्य लोगों में धन, साधन एवं विलासितापूर्ण जीवन की प्रतिद्वन्दिता इस सीमा तक घर कर चुकी है कि सामान्य परिवार भी अपने सामाजिक परम्पराओं को निभाने में साधन सम्पन्न लोगों की नकल करते देखे जा सकते हैं। परिवारो में बच्चों के जन्म दिन पर बड़ी दावते देकर अपने वैभव का प्रदर्शन करना एक आम बात हो गई है। साधन विहीन गरीब एवं उपेक्षित परिवारों में जातीय परम्पराओं एवं मान्यताओं के कारण विवाह जैसी अनिवार्य परम्पराओं को भी धन की कमी और दिखावे की मजबूती के कारण पूरा करना कठिन हो गया है।

भारत विकास परिषद् एक राष्ट्रीय, गैरराजनैतिक, सम्पन्न एवं प्रबुद्ध जनों का एक सेवाभावी संगठन है। अपनी 1350 शाखाओं के 6200 परिवार सदस्यों के सहयोग एवं दानदाताओं के सहयोग से निर्धन परिवारों में विवाह संबंध कर सरल सामूहिक विवाह का आयोजन सम्पन्न करती है। पिछले वर्षों में 500-1000 तक जोड़ों का विवाह प्रति वर्ष सदस्यों के सहयोग से किया जाता है। इस आयोजन में विधि अनुसार विवाह पंजीकरण तथा निर्धन कन्या विवाह के अनुदान को भी उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाता है। परिषद् द्वारा उत्तर प्रदेश में लगभग 200, राजस्थान में 100, हरियाणा में 40, दिल्ली में 30, मध्य प्रदेश में 40 जोड़ों के विवाह सम्पन्न किए गए हैं। हरियाणा के कैथल में 11 निर्धन कन्याओं का विवाह सम्पन्न हुआ जिसमें महामहिम राज्यपाल हरियाणा श्री कप्तान सिंह सोलंकी उपस्थित रहे। ब्रह्मावर्त प्रान्त के फर्रुखाबाद जनपद में 11 निर्धन कन्याओं का विवाह सम्पन्न हुआ। राजस्थान मध्य प्रान्त के बिजयनगर में 31 निर्धन कन्याओं का विवाह कराया गया।

विवाह समारोहों में मुस्लिम, ईसाई, वैदिक पद्धतियों से विवाह संस्कार सम्पन्न किये जाते हैं। लगभग रुपये 30000-40000 तक के गृहस्ति के सामान तथा उपयोगी सामग्री प्रदान की जाती है। समारोह में विवाह के अनवार्य प्रसंग जैसे महिला संगीत, मेंहदी, जयमाल, बारात शोभायात्रा, विवाह संस्कार आदि कार्यों में परिषद् की महिला सदस्यों का सक्रिय योगदान होता है।

इस प्रकल्प से एक ओर समाज के साधन सम्पन्न वर्ग में समाजिक सहायता की भावना विकसित होती है वहीं दूसरी ओर विपन्न वर्ग को सामाजिक संरक्षण और मान्यता तथा गौरव की अनुभूति होती है। इस प्रकार समाज के विभिन्न वर्गों के जोड़ने हेतु सेतु के रूप में कार्य करता है।

A SEWA PROJECT, HYDERABAD

Health for All – with this small message Bharat Vikas Parishad Charitable Trust has initiated a big project to serve Seva Bastis (Slum Area) inHyderabad and Secunderabad twin cities through a Free Mobile Medical Van.

A Maruti EECO Van converted to this purpose to accommodate one MBBS qualified Doctor with his equipment B.P. Machie and Glucometer, Pharma Aid for Medicines dispensing, a Senior Driver, and Generic Medicines stock for 2 or 3 days individual health cards of 2 or 3 days for treatment.

Medical Van runs for 6 days in a week Sunday to Friday. Every day van starts by 9:30 AM to provide services between 7:00 PM. Every day they cover 3 seva bastis and 1 government school to orphanage or old age home. Every day it examines-160 Adult Male, 190 Adult female, 25 children, 140 school children/ orphans / old age home residents. Total 515 per day on every day. While giving medical advice and medicines is given for one week bake up till next visit. Medical Van follows one week cycle. So far we have nearly 28 Bastis and Shift to nearby area 5 – 8 KMS distance to take new areas.

In addition to this we also undertake eye screening campaign for all government primary / middle and high schools with the help of Pushpagiri Eye Hospital, Secunderabad. 2014 we have covered 42 Government Schools in Moosapet, Kikatpally and Dindigal areas covering nearby 12, 250 students. Nearly 850 were given spects 12 students referred for surgery and conducted successfully. We propose to extend this eye screening to new areas also in next year also.

We spend Rs. 1.5 lakh every month for this project only. This project is conceived and conducted with daily monitoring by P. Kashi V.Rao, Secretary and Bharat Vikas Parishad Charitable Trust with active cooperation and encouragement by Shri B.Ch. (Aswini) Subba Rao, President and other Trustees on regular basis. - **Kashi V.Rao**

परिवार ही विद्यालय

छोटे बच्चों के कपड़े, बूट, चादर आदि पर कुछ चित्र पाये जाते हैं। बच्चों के लंच बॉक्स, स्कूल बैग, नोट बूक, वाटर बाटल आदि पर भी कुछ न कुछ चित्र मिलते हैं। आश्चर्य का अनुभव होता है। ये चित्र मिकी माऊस, डोनाल्ड डक, पिल्ला, बिल्ली, खरगोश, फिल्मी एक्टर्स और क्रिकेटरों के चित्र होते हैं। जर्सी और टी-शर्ट पर भी कुछ लिखा होता है जैसे बाल्केनो, हैप्पी, लव मी, वूह आदि।

पूर्व का एक सटीक अनुभव बताती हूँ। हैदराबाद में अंग्रेजी तथा विदेशी भाषाओं के संस्थान के सभागर में विख्यात नृत्यांगना पद्मश्री पद्मा सुब्रह्मण्यम का एक वार्तालाप था विषय था नृत्य मुद्राओं में अभिव्यक्ति का स्वरूप। कृष्ण के प्रति एक भक्त का भाव कैसा होता है। मुद्रा बनाकर दिखाई। दर्शकों ने मौन प्रतिभाव दिया। कृष्ण के प्रति यशोदा का वात्सल्य भाव दर्शाया। दर्शको ने प्रशंसा के उद्‌गार दिये। परन्तु जब गोपियों के प्रति कृष्ण के श्रृगार पूर्ण नखरों को दिखाया तो बुद्धिजीवी, दर्शकों ने तालियों की गडगड़ाहट कर दी। बड़ा आश्चर्य हुआ दर्शकों के लिए कला गौण थी।, नखरा ही आस्वादनीय था।

परिवार में बढ़ते, शिक्षा प्राप्त करते बच्चे वही पसन्द करने लगते है जो उनके चारो ओर होते हैं। कपड़े ही क्यों, घर की दीवार पर भी श्रृंगारिक सौन्दर्य युक्त स्त्रियों के चित्र ही होते हैं। एक घर के दीवानखाने में एक चित्र लगा था। बगीचे में एक बेंच है। उस पर पाँच साल का लड़का और एक लड़की बैठी है। दोनों की वेशभूषा फैशनेबल है। लड़का लड़की को चुम्बन कर रहा है। लिखा है the first love क्या बच्चों के लिए यही प्रेरणा है।

घर में लगी पेन्टिंग कैलेण्डर व्यवस्था, बातचीत के विषय फिल्मी गीत, पोस्टर, टी.वी. सीरियल इन सबसे जो स्वरूप निर्मित होता है वह निरी कामुकता और भोग विलास का है। यह सब बचपन से प्राप्त हो जाता है। बल्कि यो कहें कि गर्भावस्था से ही प्रारंभ हो जाता है। जीवन के इस अधःपतन को रोकने के लिए पुस्तके, प्रवचन, संतसमागम केवल दिशा दर्शन का ही काम कर सकते हैं। हर परिवार को संस्कार केन्द्र बनाने के लिए छोटी-छोटी बातों का क्रियान्वयन करना होगा। यदि सुशिक्षित माता पिता अपने बच्चों को संस्कार और शिक्षा नहीं दे सकते तो और कौन दे सकता है। जहाँ भी परिवार के बाहर संस्कार और शिक्षा की व्यवस्था हुई वहाँ दोनों की दुर्गति हुई। पाक शास्त्र से लेकर आध्यात्म तक की शिक्षा और संस्कार परिवार से ही मिलते हैं अतः परिवार को ऐसा श्रेष्ठ विद्यालय बनाना समाज की बड़ी सेवा है।

-इन्दुमति काटदरे, सम्पादक पुनरुत्थान काय

विवेकानन्द के मानस पुत्र सुभाष चन्द्र बोस

अपने विद्यार्थी जीवन से ही सुभाष लगातर स्वामी विवेकानन्द के विचारों को पढ़ते थे। आत्मनो मोक्षार्थ जगद्‌हिताय च। अपनी मुक्ति और मानवता की सेवा के लिए ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य के दिन लद चुके हैं। अब शुद्रों की बारी है। सुभाष बाबू के अनुसार स्वामी जी प्राचीन ग्रन्थों की आधुनिक व्याख्या की। वे कहा करते थे कि उपनिषदों का मूल मंत्र है शक्ति। नचिकेता के समान हमे अपने आप में श्रद्धा रखनी होगी। वे कहते है कि उनके गुरु रामकृष्ण परमहंस यद्यपि कम पढ़े लिखे थे। उनके कथनों का स्पष्टीकरण उनके शिष्यों ने किया। रामकृष्ण परमहंस बार बार इस बात को दोहराया करते थे कि आत्मानुभूति के लिए त्याग अनिवार्य है और सम्पूर्ण अहंकार शून्यता के बिना आध्यात्मिक विकास असंभव है।

सुभाष बाबू ने अपनी पत्नी प्रभादेवी के लिए एक पत्र में लिखते हैं संसार के तुच्छ पदार्थों के लिए हम कितना रोते हैं। किन्तु ईश्वर के लिए हम अनुपात नहीं करते। हम तो पशुओं से भी अधिक कृतघ्न और पाषाण दृश्य है। अपने भाई को एक पत्र में वे लिखते हैं भारत वर्ष की कैसी दशा थी और अब कैसी हो गई है। कितना शोचनीय परिवर्तन है। कहाँ है वे परमज्ञानी, महर्षि, दार्शनिक कहाँ हैं वे हमारे पूर्वज जिन्होंने ज्ञान की सीमा का स्पर्श कर लिया था। कब वेद मंत्रों का उच्चारण नहीं होता। पावन गंगा तट पर अब श्लोक नहीं गूंजते। परन्तु हमें आशा है कि हमारे हृदय के अंधकार को दूर करने के लिए और अनन्तज्योति शिखा, प्रज्जवलित करने के लिए आशादूत अवतरित हो गये हैं। वे हैं! स्वामी विवेकानन्द। वे दिव्यकान्ति और मर्म मेरी दृष्टि से युक्त वो सन्यासी के वेश में विश्व में हिन्दू धर्म का प्रचार करने के लिए आये हैं। अब भारत का भविष्य निश्चित ही उज्जवल है। - **राजेन्द्र चड्ढ़ा**।

विद्यार्थियों का भविष्य - कुछ चिन्तनीय बिन्दु

1. आज कल अधिकांश युवा इंजीनियर बनना चाहते हैं। क्योंकि अच्छी वेतन वाली नौकरी मिलती है। अत: प्रवेशार्थियों की संख्या बढ़ी है। नये इंजीनियरिंग कॉलेज खुलने लगे हैं। भविष्य में इंजीनियरों की संख्या बढ़ती है तो ऐसे में कम वेतन पर काम करने की मजबूरी होती है।
2. यही बात शिक्षक, पायलट, कम्प्यूटर, डॉक्टर आदि के लिए भी सत्य है। नौकरी मिलती नहीं। स्वतंत्र व्यवसाय की क्षमता नहीं, हिम्मत नहीं और न अनुकूलता।
3. नियोक्ताओं की शिकायत रहती है कि योग्य प्रशिक्षित लोग मिलते नहीं। इनको न काम आता है, न काम करने की नियत होती है। इन्हें मतलब काम से नहीं वेतन से होती है।
4. शिक्षित एवं अशिक्षित युवाओं को मोबाइल, जीन्स, बाइक न्यूनतम आवश्यकता है। नौकरी मिले न मिले। येन केन प्रकारेण इन्हें प्राप्त करने का पुरुषार्थ भी चलता है।
5. युवाओं को कार्य संस्कृति का ज्ञान नहीं होता। नौकरी या व्यवसाय में नीतिमत्ता व्यवसायिकता, उत्कृष्ठता, जिम्मेवारी एवं समाजिकता के संदर्भ ज्ञान नहीं होते। कुछ अर्थोपार्जन हो जाए, ऐसे में संस्कार और संस्कृति का कोई स्थान नहीं रहता।
6. युवास्था में नौकरी और छोकरी की चिन्ता में तनाव बढ़ जाता है। व्यसन लगना इसके दुष्परिणाम है।
7. गाँव छोड़कर शहर में आने वाले युवा, कारखानों, घरों, उद्योगों में मजदूर, नौकर, चपरासी बनकर परिवार से दूर रहते हैं और मनोरोगों या व्यसन के शिकार हो जाते हैं।
8. सम्पन्न घरों के युवाओं को व्यावहारिक ज्ञान नहीं होता। आत्म विश्वास नहीं होता। अत: समय आने पर कुंठाग्रस्त हो जाते हैं। लड़कियों को घर सम्भालना नहीं आता। लड़कों को गृहस्थी निभाना नहीं आता। वे जीवन जीते नहीं हैं। ऐसे ही उनका जीवन बीत जाता है।
9. भारत युवाओं का देश माना जाता है। परन्तु भारत के युवाओं की स्थिति ही चिन्ताजनक है।

समाधान क्या? आइये विचार करें- आपके लिखित सुझाव आमंत्रित है (अधिकतम 100 शब्दों) अंतिम तिथि 30 अप्रैल, 2018 - सम्पादक।

देश की वामपंथी मीडिया के कुचक्र से सावधान रहना होगा।

यह कैसी विडम्बना है कि संचार माध्यमों के इस युग में जब सभी देशों के संचार माध्यम अपने देश की विशेषताओं तथा उपलब्धियों को प्रचारित करने की मुहिम चलाते हैं। भारत के प्रतिष्ठित संचार माध्यम जनता का मनोबल तोड़ने वाले, देश के उज्ज्वल भविष्य को कमतर आंकने वाले समाचारों को बढ़ा-चढ़ा कर जनता के लिए परोसते हैं।

वैश्विक स्तर पर भारत की प्रसिद्धि, नेतृत्व की स्वीकृति और आर्थिक क्षेत्र की उपलब्धियाँ हो अथवा आंतरिक सुरक्षा, आर्थिक कदाचार पर रोक, व्यापारिक, ईमानदारी, टैक्स प्रवचन का निषेध आदि विषयों को जन विरोधी बताते हुए मीडिया पेनल डिस्कशन की भेंट चढ़ा देता है। वास्तव में यह राष्ट्र विरोधी ताकतों को अस्तित्व के लिए संघर्ष जैसा विषय है। गो तस्करों के अत्याचार जैसा विषय अल्पसंख्यकों के प्रतिशोध का कारण बनता है। केरल और बंगाल में अल्पसंख्यकों का तुष्टिकरण और हिन्दू समाज के प्रति हिंसात्मक विरोध के कारनामे भी मीडिया की नज़रो से दूर रहते हैं। विद्यार्थी परिषद् कार्यकर्ता की हत्या, वामपंथियों द्वारा भाजपा कार्यालय पर आक्रमण, बंगाल में सरस्वती पूजा का पंडाल जलाने की घटना वामपंथी मीडिया की नजरो में नहीं आती। कुछ आता है तो मुजफ्फरनगर में दलित की पिटाई मुख पृष्ठ की खबर होती है। वहीं मेवात में 7 दलित परिवारों की पिटाई कोई खबर नहीं बनती क्योंकि घटना का अंज़ाम देने वाले लोग अल्पसंख्यक वर्ग के हैं।

2019 बहुत दूर नहीं है। राष्ट्रवादी सरकार की उपलब्धियों को कम आंकना और वामपंथी दलों के अस्तित्व के संघर्ष का यह अंतिम अवसर है। मीडिया के भरपूर दुरुपयोग, हिंसात्मक घटनाओं पर विवादित और एकतरफा प्रतिक्रिया के द्वारा राजनैतिक शुचिता को धूमिल करने के सभी प्रयास किये जाएंगे। आवश्यकता है सही परिप्रेक्ष्य, सही जानकारी, घटना का सही विश्लेषण करते हुए राष्ट्रवादी ताकतो को मजबूत करें और राष्ट्र विरोधी हौसलों को पस्त करने में एक जुट हो।

-नीति डेस्क।

सिक्ख पंथ के पंचम गुरु अर्जुन देव का बलिदान

सिक्ख परम्परा के सभी गुरुओं का जीवन बड़ा संघर्ष पूर्ण रहा है। इन गुरुओं ने धर्म की रक्षा करने के लिए तत्कालीन मुगल शासकों से कड़ा संघर्ष किया। फलस्वरूप इन गुरुओं का बड़ी दुर्दान्त यातनाओं को झेलते हुए बलिदान हुआ। पंचम गुरु अर्जुन देव ने पूर्ववर्ती चार गुरुओं की प्रमाणिक वाणी को सुरक्षित करने के लिए गंभीर प्रयास किये।

इस क्रम में गोईन्दवाल नगर के श्री अमर दास के घर पर सभी गुरुओं की सुरक्षित पोथियों को एकत्र किया। गुरु जी ने पूर्व गुरुओं की वाणी को संकलित करने में कठिन परिश्रम किया। गुरु अर्जुन देव के बलिदान की गाथा से उनके ब्रह्म स्वरूप का आभास स्पष्ट हो जाता है। गुरु जी गोईन्दवाल में रहकर अपने शिष्यों से आध्यात्मिक सुख प्राप्त करते थे। इनमें हिन्दु से मुसलमान बने लोग भी आते थे। तत्कालीन मुगल बादशाह जहांगीर ने अपनी जीवनी में इसका वर्णन किया है। ''अर्जुन नाम का एक हिन्दू पीर और शेखनी लिवास में हिन्दुओ के साथ मुसलमानों को भी अपने मत का अनुयायी बना रहा है। कई पीढ़ियों से चलने वाली इस दूकान को बंद करना चाहिए और उस गुरु को इस्लाम में ले लेना चाहिए''। सूफी अहमद सर हिन्दी के कट्टर इस्लामी गुट तथा शेख बुखारी ने मिलकर शाहजादा सलीम (जहाँगीर) को गुरु अर्जुन देव की प्रताड़ना के लिए तैयार कर लिया।

एक घटना घटी – जहाँगीर ने अपने पुत्र खुसरो को अपने खिलाफ बगावत के कारण जेल में डाल दिया था। कुछ समय बाद खुसरो जेल से भाग निकला। तब शेख बुखारी ने यह अफवाह उड़ा दी कि खुसरो गोईन्दवाल चला गया है और अर्जुन नाम के हिन्दू पीर ने उसे केसरी तिलक लगाकर जहाँगीर की सल्तनत का विरोध किया है।

बस! मुगल बादशाह ने तत्काल गुरु अर्जुन देव की गिरफ्तारी और यासा के तहत सजा देने का हुक्म जारी कर दिया। बताते चले यासा नाम की सजा उस जटिल प्रक्रिया का नाम है जिसमें सजा पाने वाले का खून घरती पर नहीं गिरने दिया जाता तथा आग और पानी में अत्यन्त पीड़ा दायक आँख मिचौली के साथ तड़पा कर मारा जाता है।

इसी बीच गुरु जी को अपनी गिरफ्तारी का पूर्वाभास होने के कारण उन्होंने पुत्र हरगोविन्द को भावी गुरु का वरदान देकर विश्वसनीय सिख गुरुओं के संरक्षण में सुरक्षित स्थान पर भेज दिया। शरीर नाशवान है हमें तो मुसमानो की गिरफ्त में जाना है। इतना कहकर गुरु जी ने शाही अधिकारियों को गिरफ्तारी दे दी।

गुरु जी का अविस्मरणीय बलिदान – गुरु जी सात मास अत्यन्त कष्ट पाया। उन्हें बांध कर तपती रेत में फेक दिया गया। एक मुगल ने उन पर ईंट से वार कर दिया। लहू की धारा फूट निकली। उसी चोट में उन्होंने देह त्याग दी। उनका शरीर रावी नदी के किनारे डाल दिया गया। इन कष्टों के बावजूद गुरु जी ने कोई रोष नहीं दिखाया। इसलिए वह ब्रह्मज्ञानी थे। इतिहास साक्षी है कि गुरु जी के बलिदान के बाद गुरु हरगोविन्द ने मुगलों के अत्याचारों की धारा ही मोड़ दी। मीरी और पीरी का दो तलवारे धारण कर गुरु बन शीश कटाना, गुरु बनकर तलवार धारण करना, सिख पंथ की अपनी विशेषता है। जिस पर हिन्दू समाज गर्व करता है। – **पंजाब की विजय गाथा से साभार**

LEARNING TO LEARN

Dear children, your dreams are our inspirations and your destination is our goal. The highest education is that which does not merely give us information but makes our life in harmony with all existence. We firmly believe that young children are like tiny saplings who can be properly nurtured only if their roots are strengthened through an all-encompassing education.

Aristotle said, "We are what we repeatedly do". Excellence therefore is not an act but a habit. Excellence is doing ordinary things extraordinary well. Excellence is an ethic – the ethic of striving for perfection through continuous improvement and rework. As Ron Berger puts in his book "Ethics of excellence" if you are going to do something, I believe you should do it well. You should sweet over it and make sure it is strong, accurate, beautiful and you should be proud of it. This is excellence that includes excellence in thoughts, spirit and character. -**Dr. Anju Mehrotra**